TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | संविधान की पाठशाला और लोक अदालतों का संदेश... (पेज-3) | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | मंगलवार | दिनांक- 17.11.2026

मोदी सरकार में बदली देश की राजनीतिः अमित शाह

एजेंसी, विजयवाड़ा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 के बाद देश की राजनीति में बड़ा बदलाव आया है। पहले जहां नीतिगत ठहराव की स्थिति थी, वहीं अब प्रदर्शन और कामकाज की राजनीति ने उसकी जगह ले ली है। वह आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में रामोजी ग्रुप की ओर से आयोजित 'रामोजी एक्सीलेंस अवॉर्ड्स' समारोह को संबोधित कर रहे थे।

यह पुरस्कार समारोह रामोजी ग्रुप के संस्थापक और वरिष्ठ पत्रकार रामोजी राव की स्मृति में आयोजित किया गया था। इस दौरान अमित शाह ने रामोजी राव के योगदान की सराहना की और उन्हें मूल्यों के लिए संघर्ष करने वाला व्यक्तित्व बताया।

रामोजी राव ने मूल्यों के लिए संघर्ष



किया: अमित शाह

अमित शाह ने कहा कि कुछ लोग अपने जीवनकाल के काम से खुद एक संस्था बन जाते हैं। उनके जाने के बाद भी उनके बनाए संस्थान आगे बढ़ते रहते हैं। रामोजी राव ऐसे ही असाधारण व्यक्तित्व थे।

उन्होंने कहा, "रामोजी राव ने मूल्यों के लिए संघर्ष किया और उन्हें स्थापित किया।" पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान की तुलना करते हुए शाह ने कहा कि रामोजी राव का काम वरिष्ठ पत्रकार रामनाथ गोयनका के योगदान के बराबर माना जा सकता है।

'विकसित यूपी 2047' को मिली पीएम मोदी की हरी झंडी

6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का रोडमैप तैयार

एजेंसी, लखनऊ।।

विकसित उत्तर प्रदेश के विजन डाक्यूमेंट को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्वीकृति मिल गई है। प्रदेश सरकार अब प्रधानमंत्री से ही 'विकसित यूपी@2047' का रोडमैप लांच कराने की तैयारी में है। इसके लिए उनसे समय मांगा जा रहा है। रोडमैप लांच होने के बाद प्रदेश को पूर्ण विकसित बनाते हुए अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक छह ट्रिलियन डालर पहुंचाने की दिशा में काम शुरू होगा।

योजना के पहले पड़ाव में अल्प अवधि के लक्ष्यों में वर्ष 2030 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर और मध्यम अवधि के लक्ष्य के तहत वर्ष 2036 तक दो ट्रिलियन डालर तक ले जाने का खाका खींचा गया है। नियोजन विभाग ने नीति आयोग, विषय



विशेषज्ञों, उद्योगपतियों, अर्थशास्त्रियों और आम जनता की सलाह व सुझाव लेकर विजन डाक्यूमेंट तैयार किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की स्वीकृति के बाद इसे दो माह पूर्व प्रधानमंत्री के पास मंजूरी के लिए भेजा गया था। उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री ने भी इसे स्वीकृति दे दी है।

विकसित यूपी के विजन डाक्यूमेंट में अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति और जीवन शक्ति को मुख्य थीम बनाया गया है। कृषि, पशुपालन, औद्योगिक विकास, आइटी एवं इलेक्ट्रानिक्स, पर्यटन, नगर विकास, परिवहन, पर्यावरण व वन, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा व कौशल विकास तथा सुरक्षा व सुशासन कुल 12 सेक्टरों पर केंद्रित रोडमैप तैयार किया गया है। हर क्षेत्र में यूपी को नंबर एक पर ले जाने का लक्ष्य लिया गया है।

देश की अर्थव्यवस्था में यूपी का योगदान 20 प्रतिशत से अधिक करने का लक्ष्य

डाक्यूमेंट में प्रदेश की मौजूदा आबादी 24.3 करोड़ बताई गई है और वर्ष 2047 तक इसके 29 करोड़ होने का अनुमान है। वर्ष 2047 तक जीवन प्रत्याशा को 68 वर्ष से बढ़ाकर 80 वर्ष करने, शहरीकरण को 24.54 से 60 प्रतिशत और साक्षरता दर को 67.68 से 100 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य है।

बेरोजगारी दर 2.7 प्रतिशत से घटाकर 0.5 प्रतिशत करने और देश की अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश का योगदान 9.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत से अधिक करने की भी योजना है।

'कोई सुरक्षित नहीं है'

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने भविष्य के युद्धों के लिए भारत की स्वदेशी अंतरिक्ष क्षमताओं को मजबूत करने पर जोर दिया है। उन्होंने यूक्रेन युद्ध का उदाहरण देते हुए कहा कि बाहरी सैटेलाइट संचार प्रणालियों पर निर्भरता सैन्य अभियानों को प्रभावित कर सकती है। गौरतलब है कि यूक्रेन में स्टारलिंक सेवाएं बाधित होने के बाद लंबी दूरी के ड्रोन की प्रभावशीलता कम हो गई थी।

दिल्ली में आयोजित एएनआई के एक कार्यक्रम में जनरल राजा सुब्रमणि ने कहा, "आधुनिक युद्ध में अंतरिक्ष की भूमिका लगातार बढ़ रही है। भारत को सैटेलाइट के जरिए खुफिया जानकारी जुटाने, निगरानी, संचार और सटीक नेविगेशन की अपनी क्षमता बढ़ानी होगी।" उन्होंने कहा कि भारत ने स्पेस बेस्ड सर्विलांस-3 (एसबीएस-3) कार्यक्रम शुरू किया है। इसके पूरी तरह लागू होने के बाद देश की अंतरिक्ष आधारित निगरानी क्षमता में बड़ा इजाफा होगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि भारत को इस क्षमता का और विस्तार करना होगा, ताकि खुफिया जानकारी, निगरानी, संचार और सटीक नेविगेशन के लिए भरोसेमंद व्यवस्था तैयार हो सके।

सीडीएस ने कहा, "भविष्य में अंतरिक्ष भी संघर्ष का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बन जाएगा। विरोधी देश भारत को अंतरिक्ष आधारित सुविधाओं के इस्तेमाल से रोकने की कोशिश कर सकते हैं।" उन्होंने यूक्रेन युद्ध का उदाहरण देते हुए कहा कि जब स्टारलिंक सेवाओं को रोका गया या उनकी क्षमता कम हुई, तो यूक्रेन के लंबी दूरी के ड्रोन की प्रभावशीलता प्रभावित हुई। इसलिए भारत के लिए अपनी अंतरिक्ष क्षमताओं पर आत्मनिर्भर होना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि इस दिशा में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के साथ-साथ निजी क्षेत्र की कंपनियों को भी भरोसेमंद और मजबूत क्षमता विकसित करनी होगी।

एआई और ड्रोन बदल रहे युद्ध का स्वरूपः सीडीएस जनरल राज सुब्रमणि

सीडीएस जनरल सुब्रमणि ने कहा, "कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), उपग्रहों से मिलने वाली खुफिया जानकारी और बड़े पैमाने पर तैयार किए जा रहे ड्रोन आधुनिक युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहे हैं। अब किसी देश का पूरा भौगोलिक क्षेत्र युद्ध का मैदान बन सकता है और इसमें कोई भी सुरक्षित नहीं है।" उन्होंने कहा कि भविष्य के संघर्षों में सैन्य ठिकानों के साथ उद्योग, संचार नेटवर्क, ऊर्जा केंद्र और आम नागरिक भी हमलों की चपेट में आ सकते हैं।

जनसंख्या गणनाः यूपी समेत कई राज्यों में स्व-गणना शुरू

30 नवंबर तक ऑनलाइन जमा करें परिवार का विवरण

एजेंसी, लखनऊ।

जनगणना 2027 के दूसरे चरण यानी जनसंख्या गणना (पीई) के लिए स्व-गणना (एसई की प्रक्रिया सोमवार से गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड के गैर-हिमाच्छादित वाले क्षेत्रों में शुरू हो गई है। इन राज्यों/क्षेत्रों के निवासी 30 नवंबर तक अपने परिवार का विवरण ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इन राज्यों और क्षेत्रों में घर-घर जाकर जनसंख्या गणना का कार्य 1 दिसंबर, 2026 से 4 जनवरी, 2027 तक किया जाएगा। इसके बाद 5 से 9 जनवरी, 2027 तक पुनरीक्षण दौर चलेगा। इन राज्यों/क्षेत्रों के लिए संदर्भ तिथि 5 जनवरी, 2027 को प्रातः 00:00 बजे होगी।

शेष राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में जनसंख्या गणना 25 जनवरी से 28 फरवरी, 2027 तक आयोजित किया जाएगा, जिसके पश्चात 1 से 5 मार्च, 2027 तक पुनरीक्षण दौर संपन्न होगा। प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर किए जाने वाले सर्वेक्षण के प्रारंभ होने से पूर्व, इन राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में स्व-गणना का प्रावधान 10 से 24 जनवरी, 2027 तक उपलब्ध रहेगा। इन राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में जनगणना की संदर्भ तिथि 1 मार्च, 2027 को प्रातः 00:00 बजे होगी।

जनगणना 2027 के पहले चरण के अंतर्गत मकानसूचीकरण और मकानों की गणना (एचएलओ) का कार्य मणिपुर को छोड़कर 35 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में पूरा कर लिया गया है, जो जनगणना प्रक्रिया के पहले चरण के पूरा होने का प्रतीक है। पहली बार जनगणना 2027 का आयोजन डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके किया जा रहा है, जिसमें एक अतिरिक्त सुविधा के रूप में स्व-गणना की शुरूआत की गई है। यह एक सुरक्षित, सुविधाजनक और उपयोगकर्ता के अनुकूल वेब-आधारित सुविधा है, जो 16 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।

दूसरे चरण के दौरान स्व-गणना में भाग लेने के लिए, निवासी अपने मोबाइल नंबर (प्राथमिकता के तौर पर पहले चरण के दौरान पंजीकृत नंबर) और बुनियादी विवरणों का उपयोग करके आधिकारिक पोर्टल se.census.gov.in पर लॉग इन कर सकते हैं और परिवार तथा व्यक्तिगत विवरण से जुड़े 40 अधिसूचित प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं। विवरण सफलतापूर्वक जमा करने पर, एक विशिष्ट स्व-गणना आईडी (एसई आईडी) सृजित होती है, जिसे प्रक्रिया को पूरा करने के लिए प्रगणक के घर आने पर उनके साथ साझा करना होगा।



जहां स्व-गणना निवासियों को अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन विवरण प्रदान करने की अनुमति देती है, वहीं प्रगणक क्षेत्रीय विजिट के दौरान सभी आवंटित ब्लॉकों में घर-घर जाकर सर्वेक्षण करना जारी रखेंगे। जो परिवार स्व-गणना का विकल्प नहीं चुनते हैं, उन्हें प्रगणकों द्वारा नियमित रूप से घर-घर जाकर किए जाने वाले क्षेत्रीय विजिट के माध्यम से कवर किया जाएगा। जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत एकत्र की गई सभी जानकारी पूरी तरह से गोपनीय रहती है और इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों और विकास योजनाओं के लिए किया जाता है। निवासियों को इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने और प्रगणकों को अपना सहयोग देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

सटीक आंकड़ों से तय होगी जरूरतः योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोक भवन सभागार में जनगणना-2027 के दूसरे चरण के तहत स्वगणना और घर-घर गणना अभियान की शुरूआत की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश में विकास की अगली दशक की तस्वीर अब जनगणना के आंकड़ों से तय होगी। किस क्षेत्र में स्कूल और अस्पताल की जरूरत है, कहां सड़क बननी चाहिए और किन वर्गों तक सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं पहुंच पा रहा है, इसका खाका सटीक जनगणना से ही तैयार होगा। कहा कि गणना में कोई भी पात्र व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए। आंकड़ों में दर्ज न होने का खामियाजा कई बार लोगों को सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रहकर भुगतना पड़ता है।



उन्होंने कहा कि विकास योजनाएं अनुमान के आधार पर नहीं, बल्कि वास्तविक जरूरतों के आकलन पर बननी चाहिए। जनगणना से मिलने वाले आंकड़े सरकार को यह समझने में मदद करेंगे कि किस इलाके में किस सुविधा की कमी है और किन वर्गों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की जरूरत है। मुसहर समुदाय का उदाहरण देते हुए बताया कि पहले इस समाज के लोगों के पास न पक्के मकान थे और न राशन कार्ड।

यदि पिछली जनगणनाओं में उनकी वास्तविक स्थिति और अभावों को ठीक से दर्ज किया गया होता तो उन्हें पहली पंचवर्षीय योजना से ही सरकारी सहायता मिल सकती थी। वर्ष 2017 में सरकार बनने के बाद ऐसे वंचित वर्गों के लिए अलग से योजनाएं बनाकर उन्हें लाभ पहुंचाने का काम किया गया।

सोनिया गांधी की आत्मकथा का विमोचन

'परिवार के बारे में गलत कहा गया': सोनिया बोलीं- सच बताने के लिए लिखी किताब



एजेंसी नई दिल्ली।

कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी की आत्मकक्षा का सोमवार को विमोचन हुआ। उनकी किताब का नाम 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' है। इसका आसान हिंदी अर्थ है- 'अपनापनः प्यार का एक सफर'। सोनिया गांधी ने कार्यक्रम में किताब लिखने के पीछे की वजह बताई। उन्होंने कहा, मेरे परिवार के बारे में बहुत कुछ कहा गया है। मुझे किताब लिखने के लिए राहुल गांधी और प्रियंका ने प्रेरित किया। शुरू में मेरे लिए यह बहुत मुश्किल था।

सोनिया गांधी ने कहा कि उन्होंने यह किताब इसलिए लिखी, क्योंकि उनके परिवार के बारे में वर्षों से बहुत कुछ कहा गया, जिसमें से काफी बातें उनके मुताबिक वास्तविकता से दूर थीं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उनकी सास इंदिरा गांधी, पति राजीव गांधी और बेटे राहुल गांधी के बारे में भी कई ऐसी बातें कही गईं, जो सही नहीं थीं। उन्होंने कहा कि लोगों के सामने अपने परिवार और अपने जीवन का पक्ष रखने की इच्छा ही इस किताब को लिखने की बड़ी वजह बनी। इससे पहले भी सोनिया गांधी ने कहा था कि वह अपने परिवार को वैसे पेश करना चाहती थीं जैसे उन्होंने उन्हें देखा और जाना।

उन्होंने बताया कि शुरूआत में उनके लिए अपनी निजी जिंदगी के बारे में लिखना आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने उन्हें किताब लिखने के लिए प्रेरित किया। लंबे समय तक अपने निजी जीवन को सार्वजनिक चर्चा से दूर रखने के कारण संस्मरण लिखना उनके लिए कठिन था, लेकिन धीरे-धीरे उन्हें लगा कि अपनी कहानी अपने शब्दों में कहना जरूरी है। उन्होंने पुस्तक को राजनीतिक किताब के बजाय एक व्यक्तिगत संस्मरण बताया है, जिसमें राजनीति, पृष्ठभूमि की तरह मौजूद है।

किताब को मिली प्रतिक्रिया पर सोनिया गांधी ने कहा कि लोगों ने जिस तरह स्नेह और अपनापन दिखाया है, उससे वह अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि पाठकों की टिप्पणियों, किताब खरीदने में दिखाई गई दिलचस्पी और आलोचकों की प्रतिक्रियाओं ने भी उन्हें छुआ है। सोनिया गांधी ने आलोचना को जरूरी बताते हुए कहा कि कुछ टिप्पणियां काफी तीखी या खराब स्वाद वाली होती हैं, जबकि कुछ आलोचनाएं वास्तविक और ईमानदार होती हैं, जिनमें लोग साफ तौर पर बताते हैं कि उन्हें क्या सही लगा और क्या नहीं।

कार्यक्रम में कौन-कौन पहुंचे?

'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' के विमोचन कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर और भाजपा नेता अमरिंदर सिंह भी मौजूद रहे। किताब 10 नवंबर को जारी हुई थी और जारी होने के बाद से इसे बाजार में काफी दिलचस्पी मिली है। हार्पर कॉलिन्स के मुताबिक संस्मरण की मांग तेज रही है, जबकि बुक स्टोर मालिकों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से भी मजबूत बिक्री के संकेत मिले हैं। विमोचन कार्यक्रम में विपक्ष के कई बड़े नेता पहुंचे हैं। इनमें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी शामिल हैं।

अखिलेश यादव पत्नी डिंपल के साथ पहुंचे

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी कार्यक्रम में पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी और पार्टी सांसद डिंपल यादव भी मौजूद हैं। सोनिया गांधी की किताब के विमोचन कार्यक्रम में कई बड़े नेता शामिल हो रहे हैं। इनमें जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला, पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी और कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार शामिल हैं।

'अब जमीन-हवा और समुद्र में नहीं लड़ी जाती जंग'

नौसेना प्रमुख ने बताई चुनौतियां, कहा- भविष्य के लिए हम तैयार

एजेंसी, नई दिल्ली।



नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने सोमवार को कहा कि पिछले चार दशकों में भारतीय नौसेना में बहुत बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि यह बल "आज के युद्धों के लिए तैयार" है और साथ ही भविष्य के संघर्षों के लिए भी सक्रिय रूप से तैयारी कर रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'एएनआई नेशनल सिक्योरिटी समिट 3.0' को संबोधित करते हुए, एडमिरल स्वामीनाथन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हाल के वर्षों में तेजी से होते भू-राजनीतिक बदलावों और तकनीकी उपलब्धियों ने संघर्ष के स्वरूप को पूरी तरह से बदल दिया है।

नौसेना प्रमुख ने क्या कहा?

नौसेना प्रमुख ने कहा, 'पिछले चार दशकों में बहुत कुछ बदल गया है। बल्कि मैं तो कहूंगा कि पिछले पांच वर्षों में ही बहुत कुछ बदल गया है, क्योंकि पिछले चार-पांच वर्षों में भू-राजनीति जिस तेजी से बदली है, वह वाकई चौंकाने वाली है। युद्ध के हर क्षेत्र में तकनीक कई रूपों में सामने आई है, और इस वजह से युद्ध और युद्ध-शैली का स्वरूप पूरी तरह से बदल गया है।

आधुनिक संघर्षों में शामिल पक्षों के बढ़ते दायरे पर क्या कहा?

उन्होंने कहा, 'किसी भी तरह के संघर्ष में शामिल पक्षों की संख्या काफी बढ़ गई है। इसमें राज्य और गैर-राज्य पक्षों के साथ-साथ कई तरह के अन्य लोग भी शामिल हैं। ऐसा 'प्रौद्योगिकियों के लोकतंत्रीकरण' की प्रक्रिया के कारण हुआ है।'

उन्होंने आगे कहा, 'दुनिया के आपस में जुड़े होने और पिछले तीन-चार दशकों में अंतरराष्ट्रीय संबंधों की मुख्य विशेषता रहे वैश्वीकरण के कारण, आज बहुत सस्ती, बेहद शक्तिशाली और बहुउपयोगी तकनीकें आसानी से बाजार में उपलब्ध हैं, जिन्हें कोई भी खरीद सकता है। पूंजी, पैसा, लोग और तकनीकें दुनिया के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक आसानी से पहुंच सकती हैं। यही वजह है कि ये तकनीकें किसी के भी (चाहे वे अच्छे लोग हों या बुरे) खरीदने के लिए आसानी से उपलब्ध हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि नए हथियारों की भारी उपलब्धता ने युद्ध को कहीं अधिक जटिल बना दिया है।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे राहुल गांधी

चुनाव आयोग से मांगे इन 48 सवालों के जवाब, हलफनामा देने की भी मांग

एजेंसी, नई दिल्ली।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष और चुनाव आयोग के बीच विवाद तेज होता जा रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में नई अर्जी दाखिल की है। इसमें चुनाव आयोग को 48 लिखित सवाल भेजने की अनुमति मांगी गई है। साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और दो अन्य चुनाव आयुक्तों से हलफनामे के जरिए जवाब देने की मांग की गई है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि देशभर में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान एकतरफा फैसले लिए गए, मतदाताओं के नाम हटाए गए और चुनाव आयोग के ऑनलाइन पोर्टल में बिना उचित



मंजूरी के बदलाव किए गए। विपक्षी नेताओं ने इन सभी मामलों पर चुनाव आयोग से स्पष्ट जानकारी मांगी है। कांग्रेस ने पूछा है कि कितने फैसलों पर दोनों चुनाव आयुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त की राय से असहमत थे? इसके अलावा, देशभर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने का फैसला किसने लिया था?

राहुल गांधी और अन्य याचिकाकर्ताओं का मुख्य सवाल यह है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ने अन्य दो चुनाव आयुक्तों की जानकारी, सहमति या मंजूरी के बिना आयोग की सामूहिक शक्तियों का इस्तेमाल किया? चुनाव आयोग ने 26 अक्तूबर को दाखिल जवाबी हलफनामे और 14 नवंबर को दाखिल पूरक हलफनामे में कहा था कि रक्फसे जुड़े आदेश तीन सदस्यीय आयोग के सर्वसम्मत फैसले के बाद जारी किए गए थे। ये हलफनामे उप चुनाव आयुक्त भानु प्रकाश येतुरु की ओर से दाखिल किए गए थे।

हालांकि, याचिकाकर्ताओं का कहना है कि आयोग ने अपने दावे के समर्थन में फाइल नंबर, तारीख या बैठकों का ब्योरा नहीं दिया। उन्होंने अगस्त 2025 में मिले एक RTI जवाब का भी हवाला दिया है। इसके मुताबिक, चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा था कि देशभर में एसआईआर शुरू करने का कोई फैसला नहीं लिया गया था।

इनमें से कुछ सवाल ऐसे हैंः

कितने फैसलों पर मुख्य चुनाव आयुक्त की राय से दो अन्य चुनाव आयुक्त असहमत थे?

पूरे देश में SIR कराने का फैसला किसने लिया?

'फॉर्म 6' को बदलने का फैसला किसने लिया?

ERONET और ECINET को सेंट्रलाइज करने और वोटर लिस्ट को केंद्रीय नियंत्रण में रखने का फैसला किसका था?

तीन बड़े चुनाव अधिकारियों से मांगा जवाब

अर्जी में मुख्य चुनाव आयुक्त के अलावा चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी से भी जवाब मांगा गया है। राहुल गांधी और अन्य नेताओं ने मांग की है कि फरवरी 2025 से अक्तूबर 2026 के बीच इन दोनों चुनाव आयुक्तों ने एसआईआर, एउक्फएळ, फॉर्म-6 या अदालत में दाखिल अपीलों को लेकर कब-कब लिखित आपत्ति, असहमति या विरोध दर्ज कराया, इसकी पूरी जानकारी दी जाए। याचिकाकताओं का कहना है कि चुनाव आयोग को इस संबंध में रिकॉर्ड और संबंधित दस्तावेज भी उपलब्ध कराने चाहिए।

ऑनलाइन पोर्टल और वोटर लिस्ट में बदलाव पर भी सवाल

अर्जी में चुनाव आयोग के महानिदेशक (आईटी) से भी कई अहम सवाल पूछने की मांग की गई है। इनमें पूछा गया है कि क्या निजी कंपनियों या बाहरी वेंडरों को मतदाता सूची के डेटाबेस में बदलाव करने की अनुमति थी? इसके अलावा यह भी स्पष्ट करने को कहा गया है कि क्या मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (एफ्ड) के आदेश के बिना बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए थे।

कम्पोजिट विद्यालय कसौटी में जांच में मिली खामियां

सरकारी विद्यालय में शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल प्रभारी प्रधानाध्यापिका की कार्यप्रणाली के खिलाफ ग्रामीणों में आक्रोश

❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।



- खंड शिक्षा अधिकारी की जांच में शैक्षणिक गुणवत्ता और विद्यालय के रखरखाव में मिली कमियां
- प्रधानाध्यापिका को जारी हुआ नोटिस, ग्रामीणों ने की उच्चस्तरीय जांच की मांग

अछनेरा ब्लॉक के सरकारी विद्यालय कसौटी की प्रभारी प्रधानाध्यापिका को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। संबंधित शिक्षिका के विरुद्ध ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से शिकायतें की जा रही हैं। विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था और बच्चों की पढ़ाई की गुणवत्ता को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार शिकायतें किए जाने के बावजूद विभागीय स्तर पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है।

खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यालय पहुंच शिकायतों की जांच की गई। इस दौरान बच्चों की पढ़ाई की गुणवत्ता, विद्यालय के रखरखाव और विद्यार्थियों के निर्धारित ड्रेस में नहीं होने जैसी कमियां सामने आयीं। बताया गया है कि जांच के समय प्रभारी प्रधानाध्यापिका अवकाश पर थीं। विभाग द्वारा उन्हें नोटिस जारी किया गया है। खंड शिक्षा अधिकारी ने शिकायतकर्ता को आश्वासन दिया है कि संबंधित शिक्षिका के अवकाश से वापस आने के बाद विद्यालय का दोबारा निरीक्षण और जांच की जाएगी। हालांकि शिकायत कर्ता अब तक हुई कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यह मामला केवल विद्यालय की व्यवस्थाओं तक सीमित नहीं है। संबंधित शिक्षिका के व्यवहार और कार्यशैली को लेकर भी लंबे समय से असंतोष बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार उनके विरुद्ध गांव के लोगों के साथ-साथ सहकर्मी शिक्षकों द्वारा भी शिकायतें की गई हैं। आरोप है कि विरोध करने वाले ग्रामीणों और शिकायतकर्ताओं पर दबाव बनाया जाता है। उन्हें झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकियां दी जाती हैं।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि बाहरी जिले सीतापुर के एक शिक्षक के माध्यम से भी शिकायतकर्ताओं व जांच अधिकारियों को धमकियां दिलवाई जाती हैं। उक्त शिक्षक स्वयं को राजनीतिक रूप से प्रभावशाली और नेता बताता है। ग्रामीणों का दावा है कि दोनों के विरुद्ध साजिश और उत्पीड़न से जुड़े मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। इसके अतिरिक्त संबंधित शिक्षिका के विरुद्ध न्यू आगरा थाने में भी मुकदमा दर्ज होने की बात कही जा रही है। यह वही शिक्षिका है जिसने साथी शिक्षिका का शोषण कराया था अपने घर पर नशीला पदार्थ खिलाकर इन सभी मामलों की वास्तविक स्थिति और तथ्यों की निष्पक्ष जांच की मांग ग्रामीण कर रहे हैं।

इस प्रकरण में विभागीय कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों की पूर्व शिकायतों के आधार पर खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा पहले भी जांच एवं सर्वे कराया गया था। इसके बाद विभागीय स्तर पर संबंधित शिक्षिका का वेतन रोके जाने की कार्रवाई हुई थी। हालांकि बाद में वेतन पुनः जारी कर दिया गया। ग्रामीणों का सवाल है कि आखिर पूर्व में मिली शिकायतों और विभागीय कार्रवाई के बावजूद वेतन किन परिस्थितियों में जारी किया गया? क्या पूर्व में की गई जांच में सामने आई कमियों का संतोषजनक निस्तारण हुआ था?

ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित शिक्षिका अपनी कथित राजनीतिक पहुंच और प्रभावशाली लोगों से संबंधों का हवाला देकर लोगों पर दबाव बनाती हैं। कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि विद्यालय में नियमित शिक्षण कार्य और बच्चों की शैक्षणिक प्रगति पर जितना ध्यान दिया जाना चाहिए, उतना ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

अब गांव के अभिभावक, जागरूक नागरिक और समाजसेवी इस मामले को लेकर एकजुट हो रहे हैं। उनका कहना है कि सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि जांच में कमियां सामने आ रही हैं, तो केवल नोटिस जारी करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि जांच के निष्कर्षों के आधार पर जिम्मेदारी तय करते हुए सुधारात्मक एवं आवश्यक विभागीय कार्रवाई भी होनी चाहिए।

ग्रामीणों की मांग है कि जिलाधिकारी आगरा एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी पूरे मामले का संज्ञान लेकर निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कराएं। विद्यालय में बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता, शिक्षिका की उपस्थिति, शिक्षण कार्य, विद्यालय के रखरखाव, पूर्व में दर्ज शिकायतों तथा वेतन रोके जाने और पुनः जारी किए जाने के पूरे प्रकरण की समीक्षा की जाए। साथ ही शिकायतकर्ताओं को कथित रूप से धमकाने के आरोपों की भी जांच कराई जाए।

ग्रामीणों का कहना है कि खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा दोबारा जांच कराने का आश्वासन दिया गया है, लेकिन अब उन्हें केवल आश्वासन नहीं, बल्कि धरातल पर ठोस कार्रवाई चाहिए। सवाल यह है कि आखिर कब तक शिकायतों और जांचों का सिलसिला चलता रहेगा और कब विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था में वास्तविक सुधार दिखाई देगा?

सपा के राष्ट्रीय महासचिव ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

झलकारी बाई महाकुंभ में भाजपा सरकार पर साधा निशाना



❍ टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने भाजपा और योगी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए।

नगर के पालीवाल हॉल में झलकारी बाई महाकुंभ में पहुंचे प्रो.रामगोपाल यादव ने मीडिया से बातचीत के दौरान प्रदेश की राजनीति, कानून व्यवस्था, विपक्षी गठबंधन और विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी बात रखी। उन्होंने ओवैसी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी हर बात का जवाब देना जरूरी नहीं है। ओवैसी को भाजपा का एजेंट बताते हुए कहा कि ऐसे बयानों को अधिक महत्व देने की आवश्यकता नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्सव वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रदेश में लोगों के पैरों में गोलियां मारी जा रही हैं, मकान गिराए जा रहे हैं और जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं। ऐसे हालात में उत्सव की बात करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध और आम जनता की सुरक्षा को लेकर गंभीर स्थिति बनी हुई है। कांग्रेस के साथ गठबंधन और सीटों के बंटवारे के सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी इस संबंध में कोई फैसला नहीं हुआ है। बातचीत चल रही होगी। पूर्व डीजीपी बृजलाल के बयान, भाजपा के मथुरा चिंतन शिविर और आजम खान से ईडी की पूछताछ को लेकर भी उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा। अयोध्या और सनातन के मुद्दे पर टिप्पणी करते हुए कहा कि कुछ लोग सनातन का अर्थ ही नहीं जानते, ऐसे लोगों को क्या समझाया जाए। इन बयानों से प्रदेश की सियासत में एक बार फिर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज होने के संकेत मिले हैं। इस दौरान मनोज शंखवार सहित सपा नेता मौजूद रहे।

अस्पताल में घुसकर तांडव, संचालक और स्टाफ से मारपीट

एंबुलेंस से युवक को टक्कर लगने के बाद हुआ विवाद

- तीन कारों और बाइकों से अस्पताल पहुंचे थे करीब दो दर्जन लोग
- लाठी-डंडों से हमला, अस्पताल में तोड़फोड़ का भी आरोप
- पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कर रही जांच

❍ टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना क्षेत्र के आगरा-फतेहाबाद मार्ग स्थित डॉ. मुकेश बघेल हॉस्पिटल में सोमवार दोपहर करीब दो दर्जन लोगों ने पहुंचकर संचालक और स्टाफ के साथ मारपीट की। अस्पताल परिसर में तोड़फोड़ करने का भी आरोप लगाया गया है। घटना के दौरान मरीजों में भगदड़ मच गई। मामले में अस्पताल संचालक ने थाना फतेहाबाद में तहरीर दी गई है।

अस्पताल संचालक अनिल कुमार पुत्र कंचन सिंह निवासी ताजगंज, आगरा ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब दो बजे तीन कारों और कुछ बाइकों से करीब दो दर्जन लोग अस्पताल पहुंचे। आरोप है कि आते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर हमलावर लाठी-डंडे लेकर आ गए और उनके साथ-साथ स्टाफ की भी मारपीट की। अस्पताल में तोड़फोड़ करते हुए जान से मारने की धमकी देकर सभी मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुट गई। वहीं बताया कि जा रहा है कि डॉ मुकेश बघेल हॉस्पिटल की एंबुलेंस एक युवक में टक्कर मार कर आई थी। परिजन घायल को लेकर अस्पताल आये थे।

सहायक पुलिस आयुक्त फतेहाबाद इमरान अहमद ने बताया कि अस्पताल की एंबुलेंस से एक युवक को टक्कर लग गई थी। इसी बात को लेकर घायल युवक के परिजन अस्पताल पहुंचे थे, जहां दोनों पक्षों में विवाद हुआ। घायल पक्ष की ओर से भी तहरीर मिली है। पुलिस दोनों पक्षों की शिकायतों की जांच कर रही है।

विज्ञान प्रदर्शनी में नवप्रवर्तकों ने दिखाई प्रतिभा, जिलाधिकारी ने किया उत्साहवर्धन

242 छात्र-छात्राओं ने 142 मॉडल किए प्रस्तुत, मनोज कुमार विद्यार्थी ने हासिल किया प्रथम स्थान

- विजेताओं को मिलेंगे आठ हजार रुपये तक के पुरस्कार

❍ टीएनएफ टुडे, टूंडला/फिरोजाबाद।





राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, टूंडला में असंगठित क्षेत्र के नवप्रवर्तकों की जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में जनपद के नवप्रवर्तकों और छात्र-छात्राओं ने अपनी वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और तकनीकी कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए 142 आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर प्रतिभागियों के नवाचारों की सराहना की और उन्हें नई सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं जिला विद्यालय निरीक्षक मुदिता पाण्डेय के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान टूंडला विधायक प्रेमपाल सिंह धनगर, जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा, उपजिलाधिकारी टूंडला दिव्या सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक मुदिता पाण्डेय, कॉलेज की प्रधानाचार्या रंजना सहाय और जिला समन्वयक अश्वनी कुमार जैन मौजूद रहे।

विधायक प्रेमपाल सिंह धनगर ने विभिन्न नवप्रवर्तकों द्वारा तैयार किए गए मॉडल का अवलोकन किया और उनके प्रयासों की प्रशंसा करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने छात्र-छात्राओं एवं नवप्रवर्तकों के नवाचारों की सराहना करते हुए उन्हें अधिक से अधिक नए प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जिला विज्ञान क्लब के प्रयासों की भी प्रशंसा की।

जिला समन्वयक अश्वनी कुमार जैन ने बताया कि प्रदर्शनी में असंगठित क्षेत्र के नवप्रवर्तकों के साथ विद्यालय के कुल 242 छात्र-छात्राओं ने 142 मॉडल प्रस्तुत किए। इनमें पराली प्रबंधन, प्राकृतिक खेती, मटके में लौकी उत्पादन, जैविक सब्जी एवं दाल उत्पादन, गोदाम वायरिंग, मिट्टी के बर्तन, रूड़ी और मोमबत्ती उत्पादन सहित विभिन्न उपयोगी नवाचार शामिल रहे।

प्रदर्शनी में कृषि वैज्ञानिक डॉ. तेज प्रकाश, डॉ. ओमकार सिंह यादव, डॉ. पृथ्वी पाल एवं ध्रुव कांत तिवारी ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में मनोज कुमार विद्यार्थी ने प्रथम, राकेश कुमार ने द्वितीय तथा सचिन कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा पांच प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार के लिए चयनित किया गया।

विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिह्न प्रदान किए गए। जिला विज्ञान क्लब की ओर से प्रथम पुरस्कार के रूप में 8,000 रुपये, द्वितीय को 5,000 रुपये, तृतीय को 3,000 रुपये तथा सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को 2,000 रुपये की धनराशि आरटीजीएस के माध्यम से प्रदान की जाएगी। सभी प्रतिभागियों को भी प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन अश्वनी कुमार जैन ने किया, जबकि जिला विद्यालय निरीक्षक मुदिता पाण्डेय ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान माधुरी गुप्ता, अर्चना सिंह, प्रियंका, कुमकुम गुप्ता, कविता गौतम, उपासना सिंह सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

गहनों से भरा पर्स लौटाकर प्रिंसिपल ने पेश की ईमानदारी की मिसाल

गहने, नकदी और जरूरी दस्तावेज सुरक्षित लौटाए



- सड़क पर गिरा मिला लाखों के गहनों से भरा पर्स
- राजू वर्मा ने तलाश कर परिवार तक पहुंचाई सूचना
- गहने, नकदी और दस्तावेज लौटाकर जीता सबका दिल

❍ टीएनएफ टुडे, शमशाबाद।

क्षेत्र में एक प्रधानाचार्य ने ईमानदारी की मिसाल पेश करते हुए सड़क पर मिला लाखों रुपये के सामान से भरा पर्स उसके मालिक को लौटा दिया। पर्स में करीब तीन लाख रुपये के सोने-चांदी के गहने, नकदी और जरूरी दस्तावेज रखे हुए थे।

जानकारी के अनुसार, एक महिला अपने बच्चों को दवा दिलाने के लिए अस्पताल जा रही थी। इसी दौरान गांव से बाहर सड़क पर उसका पर्स गिर गया। पर्स गायब होने की जानकारी मिलने पर महिला और उसके परिजन परेशान हो गए। परिवार के लोगों ने आसपास के गांवों और रास्तों पर पर्स की तलाश की। साथ ही मामले की सूचना थाना शमशाबाद में भी दी।

इसी बीच राज इंटर कॉलेज, शमशाबाद के प्रधानाचार्य एवं प्रबंधक राजू वर्मा को पर्स मिला। उन्होंने पर्स में मौजूद सामान और दस्तावेजों के आधार पर उसके मालिक तक सूचना पहुंचाई और परिवार को पर्स मिलने की जानकारी दी। सूचना मिलने पर महिला के पति उनके पास पहुंचे। राजू वर्मा ने पर्स में रखे गहने, नकदी और सभी जरूरी दस्तावेज सुरक्षित उनके सुपुर्द कर दिए।

खोया हुआ कीमती सामान वापस मिलने पर महिला और उसके परिजनों ने राहत की सांस ली और राजू वर्मा का आभार व्यक्त किया। उनकी इस ईमानदारी की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

झा क्लासेस के बच्चों को लेकर जा रही तेज रफ्तार कार पलटी, कई छात्र घायल



- कार में फंसे छात्रों को उद्योगपति सहित स्थानीय लोगों ने निकाला, निजी अस्पताल में कराया भर्ती

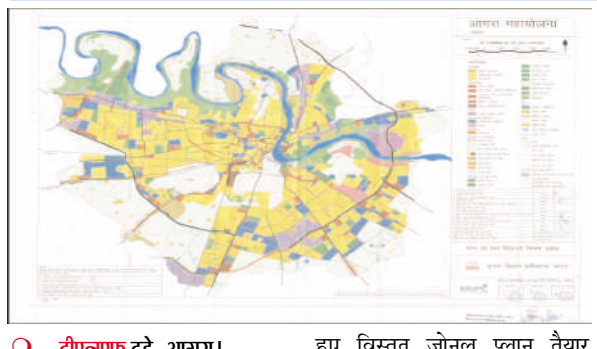
❍ टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

शिकोहाबाद के एटा रोड पर सोमवार सुबह उस समय बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब झा क्लासेस कोचिंग सेंटर के छात्रों को लेकर जा रही तेज रफ्तार कार ओवरटेक करने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार में सवार कई छात्र घायल हो गए। कार पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद वहां मौजूद शहर के प्रमुख उद्योगपति टीटू यादव सहित अन्य स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए पहुंचे। लोगों ने तत्परता दिखाते हुए कार में फंसे सभी छात्रों को बाहर निकाला। घायल छात्रों को उपचार के लिए निजी चिकित्सक मेवाराम के यहां भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

सोमवार को झा क्लासेस के बच्चों को लेकर जा रही एक वैन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। वैन पलटते ही उसमें सवार बच्चों में चीख-पुकार मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने आनन-फानन में वैन में फंसे बच्चों को बाहर निकाला और घायलों को निजी अस्पताल पहुंचाया। समय रहते बच्चों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। इस हादसे के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर बच्चों से भरी इस वैन में कितने बच्चे सवार थे, क्या वैन में निर्धारित क्षमता के अनुसार ही बच्चे बैठाए गए थे या फिर क्षमता से अधिक बच्चों को ठूंस-ठूंसकर ले जाया जा रहा था? आखिरकार न जाने कितने ऐसे कोचिंग सेंटर और स्कूल होंगे, जहां बच्चों को लाने-ले जाने के लिए मानकों से अधिक सवारियां भरकर छोटे-छोटे वाहनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। क्या इन वाहनों की नियमित जांच होती है, इनके पास बच्चों को ढोने के लिए जरूरी परमिट, फिटनेस और सुरक्षा इंतजाम मौजूद हैं। आरटीओ विभाग कब तक ऐसी लापरवाही को नजरअंदाज करता रहेगा।

मास्टर प्लान-2031 को अमलीजामा पहनाने की तैयारी तेज

आगरा विकास प्राधिकरण ने जोनल प्लान के लिए शुरू कराया सर्वे



- जोनल प्लान के अंतिम रूप लेने के बाद ही स्पष्ट होंगी नई सड़कें और भू-उपयोग परिवर्तन से जुड़ी नीतियां

❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा विकास प्राधिकरण द्वारा आगरा मास्टर प्लान-2031 के अंतर्गत जोनल डेवलपमेंट प्लान तैयार करने की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके तहत चयनित कंसल्टेंट ने संबंधित क्षेत्रों का सर्वेक्षण शुरू कर दिया है, जो मौजूदा विकास, भूमि उपयोग, सड़क नेटवर्क और आधारभूत सुविधाओं का बारीकी से आकलन कर रहा है। इस सर्वे के आधार पर प्रत्येक जोन की स्थानीय आवश्यकताओं और भविष्य की विकास जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विस्तृत जोनल प्लान तैयार किया जाएगा, जिसके माध्यम से मास्टर प्लान के व्यापक भूमि उपयोग को छोटे-छोटे नियोजन खंडों (सब-सेगमेंट) में विभाजित कर अधिक स्पष्ट रूप दिया जाएगा।

इस योजना के तहत सड़क नेटवर्क के नियोजन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मौजूदा सड़कों की स्थिति और कनेक्टिविटी का आकलन करने के साथ-साथ भविष्य की यातायात आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आंतरिक मार्गों और छोटी संपर्क सड़कों के प्रस्ताव भी शामिल किए जा सकते हैं, ताकि विभिन्न क्षेत्रों के बीच आवागमन सुगम हो सके। इसके अलावा, जोनल प्लान तैयार करते समय आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों की जरूरत और आवासीय भू-उपयोग को व्यावसायिक में बदलने की संभावनाओं का भी आकलन किया जाएगा। हालांकि, इसके लिए सड़क की चौड़ाई, पार्किंग और अन्य मानकों को ध्यान में रखा जाएगा तथा यह परिवर्तन स्वतः न होकर स्वीकृत जोनल प्लान और सक्षम प्राधिकारी के नियमों के अधीन होगा। जोनल प्लान के पूरी तरह तैयार होकर स्वीकृत होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि किन क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियां अनुमन्य होंगी और कहां नए सड़क नेटवर्क विकसित किए जाएंगे।

आधार कार्ड धारकों के लिए जरूरी सूचना

आगरा। आधार कार्ड से जुड़ी एक महत्वपूर्ण और जनहितकारी सूचना जारी करते हुए बताया गया है कि सभी नागरिकों के लिए अपने आधार कार्ड में हर दस साल में डॉक्यूमेंट अपडेट और बायोमेट्रिक अपडेट कराना बेहद जरूरी है, अन्यथा ऐसा न करने पर आधार कार्ड निष्क्रिय हो रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए सभी माननीय जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रवासियों तक इस जनजागरूक सूचना को पहुंचाएं और उन्हें समय-समय पर अपना आधार अपडेट कराने के लिए प्रेरित करें। खंदारी, आगरा स्थित आधार सेवा केंद्र की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार इस केंद्र पर नया आधार नामांकन पूरी तरह फ्री है, जबकि 5 से 17 वर्ष तक के बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (टइव) भी निःशुल्क किया जा रहा है। इसके अलावा आधार में डॉक्यूमेंट अपडेट या अन्य डेमोग्राफी अपडेट कराने के लिए मात्र 75 रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है, वहीं सामान्य बायोमेट्रिक अपडेट के लिए 125 रुपये का शुल्क देय होगा। नागरिकों से अपील की गई है कि वे समयानुसार अपना आधार अपडेट कराकर किसी भी असुविधा से बचें।

पुलिस ने वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा

पिनाहट। पुलिस द्वारा वांछित और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पिनाहट वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस टीम ने सोमवार को दबिश देते हुए चचिहा रोड पिनाहट निवासी शिवाजीत, जाटव बस्ती भदरौली निवासी महाराज सिंह ,गोपालपुरा थाना पिढ़ौरा निवासी पीतम सिंह को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर किया है।

TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday tnftoday

www.tnftoday.com / epaper

आगरा

आगरा, मंगलवार
17 नवम्बर 2026

8वें ग्लोबल ताज इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का भव्य आगाज

15 से अधिक देशों की फिल्मों की होगी निःशुल्क स्क्रीनिंग

- तीन दिवसीय समारोह में सिनेमा, कला, संस्कृति और रोजगार के अवसरों का संगम; अंतिम दिन अभिनेत्री ममता कुलकर्णी करेंगी शिरकत
- फिल्म फेस्टिवल का हुआ आगाज, ओपनिंग फिल्म महामहिम दीदीजी मुर्मू हुई स्क्रीन, ब्रह्मकुमारीज सेंटर्स ने करी शिरकत

❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।





ताजनगरी आगरा एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय सिनेमा के रंगों से सराबोर होने जा रही है। ग्लैमर लाइव फिल्म्स एवं डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के आई.टी.एच.एम. संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 8वें ग्लोबल ताज इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का भव्य शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में भारत सहित 15 से अधिक देशों की सार्थक, सामाजिक और कलात्मक फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। खास बात यह है कि दर्शकों के लिए फिल्मों की स्क्रीनिंग पूरी तरह निःशुल्क रखी गई है।

अंतरराष्ट्रीय कलाकारों की मौजूदगी ने बढ़ाई समारोह की गरिमा

दीप प्रज्वलन के साथ समारोह का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र में फ्रांस से अभिनेत्री मरीन बोर्गो, मॉस्को से फिल्म निर्देशक अलेक्जेंड्रा, इटली से गायिका मारिया, मुंबई से प्रसिद्ध अभिनेत्री विभा रानी , अमेरिका से अभिनेत्री कशिश अग्निहोत्री बाजपेयी और व्हेनेझुएला से अल्फ्रेड, विभा रानी एक्ट्रेस मुंबई से एवं कई अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय अतिथियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशु रानी ने की। इस अवसर पर फेस्टिवल के संस्थापक एवं निदेशक सूरज तिवारी सहित मंचासीन अतिथियों का माला, पटका एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया गया।

फिल्म इंडस्ट्री में रोजगार और करियर की अपार संभावनाएं : सूरज तिवारी

फेस्टिवल के संस्थापक एवं निदेशक सूरज तिवारी ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री आज केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि एक विशाल व्यावसायिक और रोजगारपरक क्षेत्र बन चुकी है। इसमें युवाओं के लिए अभिनय, निर्देशन, लेखन, सिनेमैटोग्राफी, एडिटिंग, एनीमेशन और तकनीकी क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं।लेकिन युवाओ को पढंना होगा और गंभीर होना होगा।

कालिंदी अकैडमी के स्टूडेंट्स ने रोशनी गिड़वानी के निर्देशन में परफॉरमेंस दी जो बहुत सराही गईं ।

उन्होंने कहा कि आगरा और आसपास के जिलों के युवाओं को इस उद्योग से जोड़ना, फिल्म निमार्ताओं को सरकारी सहायता एवं प्रोत्साहन दिलाने की दिशा में प्रयास करना और शहर में फिल्म निर्माण की संभावनाओं को विकसित करना फेस्टिवल के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है। युवाओं को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि फिल्म जगत में आगे बढ़ने के लिए प्रशिक्षण और सही मार्गदर्शन बेहद जरूरी है।

विश्वविद्यालय में शुरू होंगे फिल्म विधा के रोजगारपरक कोर्स : कुलपति प्रो. आशु रानी

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को व्यावहारिक और रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में दस दिवसीय फिल्म मेकिंग की प्रायोगिक कार्यशाला आयोजित की गई थी, जिसमें विद्यार्थियों ने स्वयं एक फिल्म तैयार की है। इस फिल्म को भी फेस्टिवल में प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय फिल्म निर्माण से जुड़े नए पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है। एनीमेशन के कोर्स भी संचालित किए जा रहे हैं। इससे आगरा और आसपास के जनपदों के विद्यार्थियों को फिल्म एवं मीडिया इंडस्ट्री में करियर बनाने के बेहतर अवसर मिलेंगे।

प्रथम ओपनिंग फि ल्म :

खचाखच भरे ऑडिटोरियम में फि ल्म फेस्टिवल के पहले दिन स्क्रीन हुई ₹ महामहिम दीदीजी मुर्मू ₹ फीचर फि ल्म महामहिम राष्ट्रपति के जीवन की कहानी पर आधारित थी, दर्शक देखकर अभिभूत हुए और फि ल्म आई थी राजस्थान माउंट आबू से , फि ल्म की अदाकार संपा मंडल भी दिल्ली एन एस डी से आई थी, साथ ही निर्देशक पम्पोज मिश्रा , प्रभा मिश्रा भी आये थे । इसके साथ ही ब्रह्माकुमारीज सेंटर के आगरा के लगभग सब सेंटर्स से दर्शक आए थे फि ल्म देखने को । इसके बाद जलपान की व्यवस्था थी । ब्रह्मकुआरीज से विशिष्ट अतिथियों में शीला दीदी, अश्विनी दीदी, कविता दीदी आदि आए थे ।

15 से अधिक देशों की फिल्मों का होगा प्रदर्शन

फेस्टिवल निदेशक सूरज तिवारी के अनुसार इस वर्ष अब तक 15 से अधिक देशों की फिल्मों का पंजीकरण हो चुका है। इनमें फ्रांस, इटली, पोलैंड , अमेरिका, जर्मनी, रूस, यूनाइटेड किंगडम, सिंगापुर , मॉस्को, जापान, अर्जेंटीना,जिम्बाब्वे , ऑस्ट्रेलिया,ईरान , वेनेजुएला और सहित अनेक देशों की फिल्में शामिल हैं। भारत के विभिन्न राज्यों से भी बड़ी संख्या में फिल्में प्राप्त हुई हैं।

फेस्टिवल में फीचर फिल्म, शॉर्ट फिल्म, डॉक्यूमेंट्री, एनीमेशन फिल्म और म्यूजिक वीडियो की स्क्रीनिंग होगी। चयनित फिल्मों का प्रदर्शन तीन दिनों तक विश्वविद्यालय के खंदारी परिसर स्थित जे.पी. सभागार में किया जाएगा। ज्यूरी सदस्यों द्वारा फिल्मों का मूल्यांकन किया जाएगा और श्रेष्ठ फिल्मकारों, निमार्ताओं एवं निर्देशकों को पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा।

मास्टर टॉक शो और फिल्म कार्यशालाएं होंगी खास आकर्षण

17 नवंबर को प्रख्यात अभिनेता और कोच ज्ञानप्रकाश जी मुंबई एक्टिंग की मास्टरक्लास लेंगें । वहीं प्रसिद्ध अभिनेत्री विभा रानी मुंबई से एक पैनल डिस्कशन में मुख्य स्पीकर के रूप में जुड़ेंगी ।

सह आयोजक आई.टी.एच.एम. संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. यू.एन. शुक्ला ने बताया कि फेस्टिवल के दौरान मास्टर टॉक शो, फिल्मी कार्यशालाएं और विशेषज्ञों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इससे विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को फिल्म इंडस्ट्री के अनुभवी कलाकारों, निमार्ताओं, निर्देशकों और तकनीशियनों से सीधे सीखने का अवसर मिलेगा। नए फिल्मकार भी अपने सवालों के जवाब प्राप्त कर सकेंगे।

इटली से आई मारिया, वेनेजुएला से आए अल्फ्रेडो, मॉस्को से आई अलेक्जेंड्रा ,अमेरिका से आई कशिश और मरीन बोर्गो रहे पहले दिन के मुख्य आकर्षण, साथ ही विभा रानी मुंबई ने भी लॉगों का धयान खींचा ।

उद्घाटन सत्र में डाइस पर मुख्य रूप से कुलपति प्रोफ आशु रानी, समाजसेवी पूरन डावर, प्रोफ यू एन शुक्ला निदेशक आई टी एच एम, कुलदीप पाठक, के एम सिंघल, जीनत जीशान, नितिन गोयल, अनिल अग्रवाल, रेनू रावत तिवारी, राजेंद्र सचदेवा, डॉ अरुण शर्मा , शिव प्रताप सिंह , रणजीत सामा आदि मुख्य जन उपस्थिति थे ।

कला, साहित्य और सिनेमा जगत की हस्तियों की रही मौजूदगी

कार्यक्रम में श्रुति सिन्हा साहित्यकार ने संचालन करके सबको बांधकर रखा ।

अन्यजनों में कविता रायजादा, डॉ. मधु भारद्वाज, वत्सला प्रभाकर, जया सिंह एक्ट्रेस, अमित तिवारी, रोशनी गिदवानी, सहित अनेक साहित्यकारों, लेखकों, कलाकारों और फिल्म जगत से जुड़ी हस्तियों की उपस्थिति रही।

तीन दिवसीय ग्लोबल ताज इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का उद्देश्य केवल फिल्मों का प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि आगरा को अंतरराष्ट्रीय सिनेमा, कला, संस्कृति और रचनात्मक रोजगार के एक नए केंद्र के रूप में स्थापित करना भी है।

संविधान की पाठशाला और लोक अदालतों का संदेश

छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों को बताए गए मौलिक अधिकार व कर्तव्य

❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।



उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आगरा के तत्वावधान में तहसील एत्मादपुर के अंतर्गत आने वाले माध्यमिक विद्यालय मितावली तथा ग्राम मितावली के पंचायत भवन में एक व्यापक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और आम नागरिकों को उनके विधिक अधिकारों, कर्तव्यों और मुफ्त कानूनी सहायता के प्रति जागरूक करना तथा समाज में विधिक साक्षरता को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं और ग्रामवासियों को भारतीय संविधान के महत्व, संविधान में निहित मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों, समानता के अधिकार और विधि के समक्ष समानता के सिद्धांत के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान सभी बच्चों और ग्रामीणों को संविधान के प्रति पूरा सम्मान रखते हुए एक जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव पंकज कुमार-क ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आमजन को आगामी विशेष लोक अदालतों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने बताया कि दीवानी न्यायालय परिसर, आगरा में 21 नवंबर 2026 को परक्राम्य लिखत अधिनियम (ठींङ्क्रङ्मी क्ल्ल२३१४ील्ल३२ अू३) की धारा 138 से संबंधित मामलों के निस्तारण के लिए विशेष लोक अदालत तथा 28 नवंबर 2026 को मोटर वाहन अधिनियम से जुड़े मुकदमों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे इन विशेष लोक अदालतों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने लंबित मामलों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर त्वरित एवं सुगम निस्तारण कराएं।

छह वारंटियों को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। थाना डौकी व फतेहाबाद पुलिस ने वारंटियों के खिलाफ अभियान चलाया इसके तहत छह वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया।

डीसीपी पूर्वी अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि सोमवार को फतेहाबाद पुलिस ने वारंटी शिवशंकर पुत्र रामजीलाल निवासी बड़ी बसई फतेहाबाद,राकेश उर्फ मुखिया पुत्र मोतीराम निवासी कोटरेकापुरा थाना फतेहाबाद, राजवीर पुत्र रेशम सिंह, बच्चाराम पुत्र भजनलाल निवासी ग्राम पिन्नापुरा थाना फतेहाबाद व कमलेश त्यागी पुत्र राजकुमार त्यागी निवासी सारंगपुर रोड थाना फतेहाबाद को गिरफ्तार का न्यायालय भेजा।

वहीं डौकी पुलिस ने वारंटी रामखिलाड़ी पुत्र मोहन सिंह निवासी टंकी नगर थाना डौकी को गिरफ्तार न्यायालय भेज दिया गया।

श्रीमद्भागवत कथा में गूंजा गोवर्धन संरक्षण और गौसेवा का संदेश

भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं ने किया श्रद्धालुओं को भावविभोर

❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।



अंत्योदय मिलन शाखा एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, कमला नगर, आगरा के तत्वावधान में कमला नगर स्थित रमन वाटिका में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में कथा व्यास आचार्य पंडित सुनील कृष्ण पाठक ने भगवान श्रीकृष्ण की मनोहारी बाल लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन कर श्रद्धालुओं को भक्तिरस से सराबोर कर दिया।

कथा व्यास ने माखन चोरी, चीर हरण, गोचारण, कालिया मर्दन और गोवर्धन पूजा के प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं केवल मनोरंजन अथवा चमत्कार की कथाएं नहीं हैं, बल्कि इनमें जीवन, प्रकृति, प्रेम, करुणा और सामाजिक चेतना के गहरे संदेश समाहित हैं।

गोवर्धन पर्वत संरक्षण का संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पूजा के माध्यम से प्रकृति और पर्यावरण के महत्व को समाज के सामने रखा। पर्वत, वन, जल, भूमि और प्राकृतिक संसाधन मानव जीवन के आधार हैं। इनका संरक्षण करना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। गोवर्धन पर्वत की पूजा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और उसके संरक्षण का प्रतीक है।

गोचारण लीला के माध्यम से उन्होंने गौवंश के महत्व को प्रतिष्ठित किया। गौवंश का संरक्षण केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जिम्मेदारी भी है।

कालिया मर्दन प्रसंग के माध्यम से उन्होंने जल प्रदूषण से मुक्ति और नदियों की स्वच्छता का संदेश दिया। वहीं माखन चोरी की लीला में भगवान श्रीकृष्ण की बाल सुलभ चंचलता और भक्तों के प्रति उनके प्रेम का सुंदर चित्रण किया।

कथा व्यास ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं आज भी प्रासंगिक हैं। उनके जीवन से प्रेम, प्रकृति के प्रति सम्मान, जीवों के प्रति दया और सामाजिक उत्तरदायित्व की प्रेरणा मिलती है।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भक्तिभाव से कथा श्रवण किया।

कथा के बाद आरती उतारने वाले में सतीश अग्रवाल,मनोज अग्रवाल, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, रंगेश त्यागी ,

संतोष गुप्ता , जितेंद्र सिंह वर्मा , स्वदेश विकल , श्रीभगवान अग्रवाल , राजेन्द्र तिवारी , राजीव नागरानी, नवदीप अग्रवाल , अशोक अग्रवाल , जीतेन्द्र तिवारी एडवोकेट , के के अग्रवाल , उमेश चन्द्र गुप्ता एडवोकेट, , पूर्ण चन्द , ओम प्रकाश गुप्ता, अरूण गर्ग ,लोकेश शर्मा , नितिन अग्रवाल , विदित सिंघल , बृजेंद्र कुमार अग्रवाल , डॉ सम्पूर्ण सिंह , मनोज खंडेलवाल , अलंकार अग्रवाल , हरीश गर्ग , राजेश अग्रवाल आदि शामिल थे।

दीपोत्सव की रोशनी में गुजरात का रंग, डांडिया पर थिरके युगल दंपत्ति

भारत विकास परिषद संस्कार शाखा ने धूमधाम से मनाया दीपोत्सव एवं डांडिया महोत्सव

❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।



दीपावली की खुशियां, भारतीय संस्कृति की झलक और गुजराती लोकपरंपरा का उल्लासङ्घ कुछ ऐसा ही नजारा फतेहाबाद रोड स्थित मुगल पैराडाइज में देखने को मिला। अवसर था भारत विकास परिषद संस्कार शाखा की ओर से आयोजित दीपोत्सव एवं डांडिया नाइट का। रंग-बिरंगी रोशनी, संगीत की मधुर धुनों और उत्साह से सराबोर माहौल में सदस्यों एवं उनके परिवारों ने दीपावली उत्सव का जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा संरक्षक डॉ. केशवदत्त गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर किया।

अध्यक्ष मनोज अग्रवाल पौली भाई* ने बताया कि दीपोत्सव का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, परंपराओं और पारिवारिक एकजुटता को बढ़ावा देना है। डांडिया नाइट में युगल दंपत्तियों ने एक साथ डांडिया खेलकर उत्सव की रौनक बढ़ाई। गुजराती एवं फिल्मी गीतों की धुन पर महिलाओं ने पारंपरिक अंदाज में डांडिया खेला। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बना। बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन में बड़ों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। दीपावली उत्सव को और अधिक मनोरंजक बनाने के लिए निशानेबाजी सहित विभिन्न खेलों की स्टॉल भी लगाई गईं। डांडिया की खनक और दीपोत्सव की जगमगाहट ने शाम को यादगार बना दिया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष जितेंद्र बंसल, एडवोकेट बसंत गुप्ता, सोनल योगिता अग्रवाल, अशोक कुमार गुप्ता, डॉ. नरेंद्र गुप्ता, जतिन अग्रवाल, जवारलाल शर्मा, राजीव अग्रवाल, संतोष मित्तल, पवन अग्रवाल, अतुल गुप्ता, नीतू बंसल, नीरू गुप्ता, विजय गुप्ता, मनीष बंसल, राम प्रकाश गुप्ता आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

एम्बुलेंस में गूंजी किलकारी, प्रसूता ने बेटे को दिया जन्म

फतेहाबाद। सीएचसी फतेहाबाद ले जाते समय रास्ते में प्रसूता को तेज प्रसव पीड़ा होने लगी। इस पर एंबुलेंस में तैनात ईएमटी ने सुरक्षित प्रसव कराया। महिला ने बेटे को जन्म दिया। इसके बाद जच्चा-बच्चा को सीएचसी फतेहाबाद में भर्ती कराया गया, जहां दोनों स्वस्थ हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तहसील फतेहाबाद क्षेत्र के गांव बमरौली निवासी विद्या देवी पत्नी नेमा सिंह को सोमवार शाम अचानक तेज प्रसव पीड़ा होने लगी। परिजनों ने 108 एंबुलेंस को फोन कर बुलाया। एंबुलेंस से परिजन प्रसूता को सीएचसी फतेहाबाद लेकर जा रहे थे। इसी दौरान भोलपुरा गांव के पास महिला को तेज प्रसव पीड़ा होने लगी। स्थिति को देखते हुए एंबुलेंस में तैनात ईएमटी आशेंद्र प्रताप सिंह ने सूझबूझ दिखाते हुए एंबुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया। प्रसूता ने बेटे को जन्म दिया। इसके बाद जच्चा-बच्चा को सीएचसी फतेहाबाद में भर्ती कराया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. अभिषेक चौहान ने बताया कि जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

डांडिया महोत्सव में महिलाओं ने जमकर मचाया धमाल

भारत विकास परिषद निकुंज शाखा ने आयोजित किया दीपवाली उत्सव का आयोजन



आगरा। भारत विकास परिषद निकुंज शाखा की ओर से दीपावली एवं डांडिया महोत्सव का आयोजन सिकंदरा स्थित मधुर रिजॉर्ट में किया गया। शुभारंभ क्षेत्रीय संयोजक एनसीआर-वन प्रमोद कुमार अग्रवाल, संरक्षक ब्रज प्रांत विनय सिंघल, सुभाष कुमार वर्मा, सीए विवेक अग्रवाल, अमित गर्ग, अनु सिंघल एवं पूनम सिंघल ने दीप प्रज्वलित कर किया।

अध्यक्ष राजेश कुमार गर्ग* ने बताया कि दीपोत्सव में बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। महिलाओं ने रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में डांडिया खेलकर जमकर धमाल मचाया। धार्मिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं भजन संध्या में भक्तिमय गीतों ने वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। पूरा परिसर दीपावली के उल्लास और भारतीय संस्कृति के रंगों से जगमगा उठा। मंच संचालन कोषाध्यक्ष सीए प्रवीण कुमार गर्ग ने किया। इस अवसर पर सचिव श्रीभगवान सिंघल, अंजू सिंघल, नीतू गर्ग, सपना गर्ग, कुसुम सिंघल, संजय अग्रवाल, शैलेश अग्रवाल, पवन अग्रवाल, आनन्द गुप्ता,सीए अभिषेक अग्रवाल, गौरव गुप्ता, शुभम सिंघल, रितेश गर्ग, रितु, कंचन, रुचि, गीता, गार्गी, सविता, रंजना, मोहिनी, डॉ. रचना, स्वाति, निक्की आदि मौजूद रहे।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com

पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

2027 के चुनावी रण के लिए ब्रज भूमि से सियासी शंखनाद और इसके गहरे रणनीतिक मायने

उत्तर प्रदेश की राजनीति में वर्ष 2027 के आसन्न विधानसभा चुनावों का बिगुल फूंकने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने तपोभूमि मथुरा के फरह स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय धाम परखम में अपनी दो दिवसीय उच्चस्तरीय चिंतन बैठक का आगाज कर दिया है। अयोध्या और काशी के बाद अब भगवान श्रीकृष्ण की पावन नगरी ब्रज क्षेत्र को भाजपा के इस बड़े वैचारिक और रणनीतिक मंथन का केंद्र बनाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पार्टी आगामी चुनावों के लिए एक अत्यंत सधा हुआ और दूरगामी सांस्कृतिक व राजनीतिक खाका तैयार कर रही है। जब प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी में संगठन के तमाम दिग्गज इस एकांत और वैचारिक रूप से पवित्र स्थल पर बैठकर रणनीति बना रहे हैं, तो इसके राजनीतिक संदेश बहुत दूर तक जा रहे हैं। इस दो दिवसीय चिंतन शिविर का मुख्य उद्देश्य केवल चुनावी गणित साधना ही नहीं, बल्कि बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं में नया जोश भरना, पन्ना प्रमुखों की सक्रियता को परखना और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जटिल क्षेत्रीय तथा जातीय समीकरणों को साधना है। राजनीतिक विश्लेषक इस पूरी बैठक को विपक्षी दलों की तमाम चुनावी चालों और किसान राजनीति की काट के रूप में देख रहे हैं, जहाँ भाजपा संगठनात्मक कमियों को दूर करके अपनी जीत की हैट्रिक सुनिश्चित करने का ताना-बाना बुन रही है। जब सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और विकास के एजेंडे को सामने रखकर कान्हा की नगरी से चुनावी शंखनाद किया जाता है, तो यह विरोधी दलों के खेमे में स्वाभाविक रूप से एक गहरी बेचैनी और हलचल पैदा कर देता है। दीनदयाल धाम की इस पावन माटी में होने वाला यह मंथन यह भी साबित करता है कि भाजपा चुनाव के वक्त केवल सतही दावे करने के बजाय वैचारिक जड़ों को मजबूत करते हुए अपनी जमीन पर पूरी मजबूती के साथ पकड़ बनाए रखना जानती है। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले मथुरा से उठी यह सियासी हुंकार यह तय करेगी कि आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश की राजनीतिक बिसात पर कौन सा दल किस पर भारी पड़ता है।

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

शंकर भगवान का धनुष टूटते ही स्वयं पाताल लोक के राजा शेषनाग की नींद टूटी थी

महर्षि वाल्मीकि के रामायण के बालकांड के कई दुर्लभ और अत्यंत गोपनीय अध्यायों में राजा जनक की सभा में हुए उस ऐतिहासिक धनुष यज्ञ से जुड़ा यह पावन और रोमांचक प्रसंग संपूर्ण सृष्टि में भगवान शिव के पिनाक की शक्ति और ब्रह्मांडीय कंपन के उस गुप्त सत्य को उजागर करता है जिसे बहुत कम लोग जानते हैं।

जब मिथिला नरेश जनक के दरबार में देश-विदेश से आए बड़े-बड़े वीर और पराक्रमी राजा उस विशाल और भारी पिनाक धनुष को अपनी जगह से हिला तक नहीं पाए, तब गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम सहज ही आगे बढ़े।

भगवान राम ने जैसे ही उस अत्यंत प्राचीन और शक्तिशाली शिवधनुष को अपने एक हाथ से उठाया और प्रत्यंचा चढ़ाने के लिए थोड़ा सा झुकाया, वैसे ही वह भारी धनुष बीच में से दो टुकड़ों में टूट गया।

पिनाक धनुष के टूटने की वह आवाज कोई साधारण आवाज नहीं थी, बल्कि उसकी भयंकर गर्जना और हुंकार से तीनों लोक दहल उठे थे और ऐसा लगा मानो पूरी पृथ्वी का संतुलन बिगड़ गया हो।

उस भयानक टंकार की ध्वनि इतनी तीव्र थी कि पाताल लोक की गहराइयों में अनंत नागों के राजा शेषनाग की भी नींद अचानक टूट गई और वे यह सोचने लगे कि ब्रह्मांड में ऐसा कौन सा प्रलयकारी प्रहार हुआ है।

शेषनाग ने अपनी हजार फनों पर टिकी इस पृथ्वी के कांपते हुए संतुलन को संभाला और अपने दूतों को यह पता लगाने के लिए भेजा कि भूलोक पर आखिर कौन सी ऐसी शक्ति प्रकट हुई है जिसकी गूंज पाताल तक पहुँच गई है।

उधर जब धरती पर देवताओं ने आकाश से पुष्प वर्षा की और राजा जनक के मन में आनंद की लहर दौड़ गई, तब कुछ ही पलों में उस दिव्य कंपन को महसूस करके भगवान परशुराम भी क्रोधित होकर उस सभा की ओर दौड़े चले आए।

यह पावन और अनसुना प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि भगवान शिव और भगवान विष्णु की शक्तियां जब भी आपस में मिलती हैं, तो पूरा ब्रह्मांड उसकी ऊर्जा से कांप उठता है और सत्य की ही हमेशा विजय होती है।

दो करोड़ बनाम दो हजार करोड़!

बृज खंडेलवाल



एक फिल्म ने आस्था और मुँहजबानी प्रचार के दम पर इतिहास रचा। दूसरी सितारों, तकनीक और हजारों करोड़ के बजट के साथ मैदान में उतरी। लेकिन दिल किसने जीता? पूछ रहा है भारत

भारतीय सिनेमा ने 2026 में दो बिल्कुल अलग तरह की कामयाबियाँ देखी हैं। एक तरफ है छोटी, सादी और जमीन से जुड़ी फिल्म 'हनुमान अंश'। दूसरी तरफ है भव्यता, सितारों और आधुनिक तकनीक से सजी 'रामायणः पार्ट 1 झ राइज ऑफ अ लेजेंड'। दोनों फिल्मों ने दर्शकों को आकर्षित किया, लेकिन इनकी कामयाबी की कहानी बिल्कुल अलग है।

एक ने आस्था का सहारा लिया। दूसरी ने विशाल बजट और सितारों की ताकत दिखाई। एक ने धीरे-धीरे दर्शकों का दिल जीता, दूसरी ने आते ही बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी।

'हनुमान अंश' नीम करौली बाबा के शुरूआती जीवन पर आधारित है। करीब दो करोड़ रुपये के मामूली बजट में बनी इस फिल्म में कोई बड़ा सितारा नहीं था। प्रचार भी बहुत सीमित था। पहले दिन की कमाई कथित तौर पर सिर्फ दस लाख रुपये के आसपास रही।

किसे उम्मीद थी कि यही फिल्म आगे चलकर ऐसी मिसाल बनेगी?

धीरे-धीरे दर्शकों ने इसकी चर्चा शुरू की। लोगों ने अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और परिचितों को फिल्म देखने की सलाह दी। भक्तों की भीड़ बढ़ी। सिनेमाघरों में शो बढ़ाए गए। आखिरकार फिल्म ने दुनिया भर में पांच सौ करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया।

यह सिर्फ बॉक्स ऑफिस की कामयाबी नहीं थी। यह महंगे प्रचार पर मुँहजबानी तारीफ की जीत थी। फिल्म ने साबित किया कि दर्शक आज भी सच्ची और दिल को छूने वाली कहानियों के लिए सिनेमाघरों तक आते हैं।

अब दूसरी तरफ 'रामायण' को देखिए। यह भारतीय सिनेमा की भव्यता का नया पैमाना बनाने की कोशिश है। रणबीर कपूर राम, साई पल्लवी सीता और यश रावण की भूमिका में हैं। सनी देओल हनुमान बने हैं। अंतरराष्ट्रीय तकनीक, शानदार विजुअल इफेक्ट्स और हंस जिमर तथा ए.आर. रहमान का संगीत इसे खास बनाते हैं।

शुरूआती दिनों में ही फिल्म ने दुनिया भर में बारह सौ करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया। यह अपने आप में बड़ी उपलब्धि है।

लेकिन यहाँ एक फर्क समझना जरूरी है। कमाई और मुनाफा एक ही चीज नहीं हैं। 'रामायण' ने कुल कमाई में बहुत आगे निकलने के संकेत दिए हैं। मगर इतने भारी निवेश की भरपाई के लिए उसे बहुत लंबा सफर तय करना होगा। इसके दोनों भागों की कमाई और दूसरे अधिकारों से होने वाली आमदनी भी अहम होगी।

रुपये-पैसे से आगे बढ़कर देखें तो दोनों फिल्मों की असली परीक्षा आस्था और भावनाओं के मैदान में होती है।

यहाँ 'हनुमान अंश' बाजी मारती दिख रही है। इसकी ताकत है सादगी, सेवा, समर्पण और निजी भक्ति। फिल्म नीम करौली बाबा को हनुमान जी के अंश के रूप में पेश करती है। भूखों को भोजन कराना, दुखियों की मदद करना और बिना दिखावे के सेवा करना इसकी आत्मा है।

इस फिल्म में चकाचौंध कम है, लेकिन भावनाओं की गर्माहट ज्यादा है। कई दर्शकों के लिए यह फिल्म देखने का अनुभव किसी सत्संग में बैठने जैसा रहा। कंगना रनौत ने भी इसे फिल्म के बजाय सत्संग जैसा अनुभव बताया था।

इसके भजन भी सिनेमाघरों की चारदीवारी से बाहर निकल चुके हैं। 'मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान' जैसे गीत घरों, मोबाइल फोन और धार्मिक आयोजनों में सुनाई दे रहे हैं। यही किसी ऐसी फिल्म की असली कामयाबी है, जो दर्शकों की निजी जिंदगी में जगह बना लेती है।

'रामायण' की चुनौती इससे कहीं बड़ी है। रामायण केवल एक धार्मिक कथा नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता, संस्कृति और नैतिक मूल्यों की धरोहर है। इसकी कहानी पीढ़ियों से लोगों के जीवन का हिस्सा रही है।

फिल्म में भव्य दृश्य हैं, शानदार कलाकार हैं और तकनीक का जबरदस्त इस्तेमाल है। यश के रावण और रणबीर कपूर के राम की चर्चा हो रही है। लेकिन सवाल यह है कि क्या भव्यता के बीच रामायण की आत्मा भी उतनी ही मजबूती से उभरती है?

रामायण सिर्फ युद्ध, महल, वेशभूषा और उड़ते हुए बाणों की कहानी नहीं है। यह त्याग, करुणा, मयार्दा, रिश्तों और धर्मसंकट की भी कथा है। असली चुनौती इन भावनाओं को पर्दे पर उतारने की है।

बड़े बजट की फिल्मों में कभी-कभी तकनीक कहानी पर भारी पड़ जाती है। दर्शक दृश्य देखकर दंग रह जाते हैं, लेकिन पात्रों के भीतर चल रहे संघर्ष से उतना जुड़ नहीं पाते। रामायण जैसी महागाथा में यह खतरा और भी बड़ा है।

यही दोनों फिल्मों का बुनियादी फर्क है। 'हनुमान अंश' दिल के रास्ते दर्शकों तक पहुँचती है। 'रामायण' आँखों को चकाचौंध करती है और विशाल पर्दे पर एक महागाथा रचती है। एक व्यक्तिगत आस्था को मजबूत करती है, दूसरी करोड़ों लोगों की सांस्कृतिक स्मृति को भव्य रूप देती है।

इसका मतलब यह नहीं कि एक सही है और दूसरी गलत। भारतीय सिनेमा को दोनों तरह की फिल्मों की जरूरत है। लेकिन एक बात फिल्मकारों को समझनी होगी। भक्ति को बड़े बजट से नहीं खरीदा जा सकता। भावनाओं की गहराई भी महंगे कैमरों की मोहताज नहीं होती।

'हनुमान अंश' की कामयाबी ने एक और भ्रम तोड़ा है। जरूरी नहीं कि हर हिट फिल्म में बड़े सितारे हों, करोड़ों का प्रचार हो और विदेशी तकनीक का सहारा लिया जाए। ईमानदार कहानी भी दर्शकों तक पहुँच सकती है। लोग आज भी सच्चाई और संवेदना पहचानते हैं।

आखिरकार दोनों फिल्मों की उपलब्धियाँ अलग-अलग हैं। कुल कमाई, भव्यता और प्रचार के मामले में 'रामायण' आगे है। निवेश पर शानदार रिटर्न, मुँहजबानी लोकप्रियता और निजी धार्मिक जुड़ाव के मामले में 'हनुमान अंश' ने बाजी मारी है।

भारतीय सिनेमा के लिए सबसे बड़ा सबक यही है। तकनीक से तमाशा बनाया जा सकता है। पैसे से प्रचार खरीदा जा सकता है। सितारों से भीड़ जुटाई जा सकती है। लेकिन दिल में जगह बनाने के लिए सच्चाई, संवेदना और आस्था चाहिए।

आखिर असली सवाल यह नहीं कि कौन-सी फिल्म बड़ी है। सवाल यह है कि कौन-सी फिल्म दर्शकों के दिल में ज्यादा देर तक जिंदा रहती है?

सत्ता, पूंजी, कृत्रिम बुद्धि और अंतिम जन के बीच खड़ा भारतीय पत्रकार

डॉ. दीपक गोस्वामी



पत्रकार की कलम बिक जाए तो खबर विज्ञापन बन जाती है, डर जाए तो लोकतंत्र की आवाज दब जाती है और भटक जाए तो समाज सत्य के स्थान पर भ्रम को सच मानने लगता है।

भारत में पत्रकार होना केवल समाचार लिखना नहीं, बल्कि प्रतिदिन सत्ता, समाज, बाजार, परिवार और अपनी अंतरात्मा के बीच संतुलन बनाने की चुनौती है। पत्रकारिता का वास्तविक धर्म किसी कुर्सी या विचारधारा की रक्षा नहीं, बल्कि जनता के जानने के अधिकार की रक्षा है।

संविधान और स्वतंत्रता का प्रश्न

संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) में प्रेस की स्वतंत्रता का अलग उल्लेख नहीं है। यह नागरिक की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में निहित है। अनुच्छेद 19(2) इसके युक्तियुक्त प्रतिबंध भी निर्धारित करता है। पत्रकार स्वतंत्र है, लेकिन कानून और संवैधानिक मयार्दाओं से परे नहीं।

भारत में 31 दिसंबर 2025 तक 1,60,315 पत्र-पत्रिकाएँ पंजीकृत थीं। लेकिन पंजीकरण को सक्रिय प्रकाशनों अथवा कार्यरत पत्रकारों की संख्या मानना गलत होगा। प्रेस काउंसिल पत्रकारिता के मानकों की रक्षा करती है, लेकिन नौकरी, वेतन, पेंशन और व्यक्तिगत सुरक्षा की गारंटी नहीं देती।

सरकार और पत्रकार : सहयोग या दबाव?

सरकार को अपनी योजनाएँ जनता तक पहुँचानी हैं और पत्रकार को सरकार की उपलब्धियों के साथ उसकी कमियों को भी सामने रखना है। समस्या तब पैदा होती है जब सरकारी विज्ञापन संपादकीय स्वतंत्रता को प्रभावित करने लगते हैं और प्रशासनिक निकटता सूचना प्राप्त करने का माध्यम बन जाती है।

जिला पत्रकार जिन अधिकारियों से प्रतिदिन मिलता है, कभी उन्हीं के विरुद्ध जनहित में खबर लिखता है। यही उसकी निष्पक्षता और साहस की परीक्षा है।

बाहुबल और अर्थबल : पत्रकार की दोहरी चुनौती

खनन, भूमि कब्जे, भ्रष्टाचार, भर्ती अनियमितता और स्थानीय सत्ता के गठजोड़ पर खबर लिखना कई बार जोखिमपूर्ण होता है। पत्रकारों पर हमलों की समस्या वास्तविक है, लेकिन अप्रमाणित आँकड़े और दोषसिद्धि प्रतिशत प्रस्तुत करना उचित नहीं। पत्रकार की सुरक्षा केवल व्यक्तिगत नहीं, लोकतांत्रिक आवश्यकता है।

दूसरी ओर, ग्रामीण संवाददाता और छोटे संस्थानों के पत्रकार अनियमित पारिश्रमिक, यात्रा खर्च और रोजगार की असुरक्षा से जूझते हैं। दूसरों की गरीबी लिखने वाला पत्रकार अपनी आर्थिक परेशानियों से भी मुक्त नहीं है। उसे सम्मान के साथ उचित पारिश्रमिक और सामाजिक सुरक्षा चाहिए।

पाठक और कृत्रिम बुद्धि : नई चुनौतियाँ

आज पाठक के सामने समाचार, मनोरंजन, अफवाह और विज्ञापन एक साथ उपस्थित हैं। सनसनीखेज शीर्षक सत्य से अधिक आकर्षक बनते जा रहे हैं। पत्रकार का दायित्व केवल पाठक को बाँधना नहीं, उसे प्रमाणित जानकारी देना है। पाठक की जिम्मेदारी भी अपुष्ट सूचनाओं को आगे न फैलाना है।

कृत्रिम बुद्धि समाचार लिख सकती है, अनुवाद कर सकती है और दस्तावेजों का विश्लेषण कर सकती है। लेकिन गलत सूचना भी तैयार कर सकती है। इसलिए तकनीक का उपयोग मानवीय विवेक, सत्यापन और संपादकीय जवाबदेही के साथ होना चाहिए।

अंतिम जन : पत्रकारिता की असली कसौटी

सीमांत किसान, मजदूर, आदिवासी, प्रवासी श्रमिक, विधवा और दिव्यांग नागरिकों की समस्याएँ अक्सर मुख्यधारा में पर्याप्त स्थान नहीं पातीं। गाँव में विद्यालय का अभाव, अस्पताल में चिकित्सक की कमी, मजदूरी का भुगतान न होना और सरकारी योजनाओं से वंचित परिवार भी महत्वपूर्ण समाचार हैं।

पत्रकारिता का धर्म केवल दुर्घटना दिखाना नहीं, अन्याय पैदा करने वाली परिस्थितियों को उजागर करना भी है।

सात आयाम और पत्रकार का आत्मपरीक्षण

सामाजिक निष्पक्षता, आर्थिक सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, सत्यनिष्ठ आध्यात्मिकता, वैश्विक स्वतंत्रता, संस्थागत स्वायत्तता और शारीरिक स्वास्थ्य—ये पत्रकारिता के सात महत्वपूर्ण आयाम हैं। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स की 2026 की सूची में भारत 180 देशों में 157वें स्थान पर है। यह गंभीर आत्ममंथन का विषय है।

पत्रकार को भी बिना प्रमाण आरोप लगाने, अफवाह फैलाने, निजता भंग करने और समाचार को विज्ञापन बनाने से बचना होगा।

मनुस्मृति के चतुर्थ अध्याय के 138वें श्लोक का संदेश है—सत्यं ब्रूयात्प्रियं ब्रूयान्न ब्रूयात्सत्यमप्रियम्।

पत्रकारिता में इसका अर्थ अप्रिय सत्य छिपाना नहीं, बल्कि प्रमाणित सत्य को मर्यादित और जिम्मेदार भाषा में प्रस्तुत करना है।

निष्कर्ष : पत्रकारिता लोकधर्म है, केवल धंधा नहीं

पत्रकार को न देवता बनाना है, न दुश्मन। उसे स्वतंत्र, सुरक्षित, स्वाभिमानी, उत्तरदायी और आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है।

जिस देश में पत्रकार की कलम की कीमत विज्ञापन से तय होगी, वहाँ खबर बाजार की वस्तु बनेगी। जहाँ उसकी चुप्पी भय से तय होगी, वहाँ लोकतंत्र कमजोर होगा। और जहाँ उसकी दिशा अंतिम जन की पीड़ा से तय होगी, वहाँ पत्रकारिता अपने वास्तविक लोकधर्म को प्राप्त करेगी।

क्योंकि पत्रकार की सबसे बड़ी शक्ति उसकी स्याही नहीं, जनता का वह विश्वास है जिसके सहारे लोकतंत्र अपनी आवाज उसे सौंपता है।

सितारों की चाल : आपका भविष्यफल

दिनांक 18 नवंबर 2026 बुधवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल की पहली सीढ़ी है।



मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मिथुन कर्क कन्या तुला वृश्चिक और कुंभ राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। बुधवार का दिन विघ्नहर्ता भगवान गणेश और बुद्धि के दाता ग्रह बुध की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन गणेश जी के मंदिर में जाकर दूर्वा घास और मोदक का भोग लगाने तथा गणेश अथर्वशीर्ष का पाठ करने से जीवन के सभी संकट दूर होते हैं और अटूट बुद्धि तथा ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। मंदिर में हरे मूंग का दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। गणेश अथर्वशीर्ष का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।

कर्क



आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। मंदिर में हरी वस्तु भेंट करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।

सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। भगवान गणेश का जलाभिषेक करें जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि हो।

कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। व्यापारियों को नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने की पूरी संभावना बन रही है। किसी जरूरतमंद को हरी सब्जियां दान करें जिससे आपके मार्ग की सभी रुकावटें दूर हों।

तुला

आज कला संस्कृति और व्यापारिक क्षेत्र से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। मंदिर में हरे रंग का वस्त्र अर्पित करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। संकटमोचन गणेश स्तोत्र का पाठ करें जिससे आपके सभी विरोधी शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। मंदिर में घी और कपूर का दीपक जलाएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। बुधवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। गणेश चालीसा का पाठ करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। भगवान गणेश के चरणों में प्रणाम करके दिन की शुरूआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

बुधवार के दिन घर की उत्तर दिशा को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां हरे रंग के पौधे स्थापित करने तथा मुख्य द्वार पर गणेश जी का स्वरूप लगाने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा भगवान गणेश की कृपा से घर में बुद्धि, व्यापार में वृद्धि और स्थायी सुख-शांति का वास होता है।

मथुरा में भाजपा की प्रदेश योजना बैठक

संगठन की आगामी रणनीति पर हुआ मंथन





टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश योजना बैठक सोमवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय गौ ग्राम धाम अनुसंधान प्रशिक्षण केंद्र परखम की में आयोजित हुई।

बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बी.एल. संतोष, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े की उपस्थिति में संगठन की आगामी कार्ययोजना को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा, बूथ सशक्तिकरण, संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही आगामी राजनीतिक चुनौतियों और लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए संगठन की रणनीति पर विचार-विमर्श हुआ।बैठक में भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक, प्रदेश सह-प्रभारीगण, प्रदेश सरकार के मंत्री, जनप्रतिनिधि प्रदेश पदाधिकारी ,महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव, जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे, प्रदेश प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, महानगर मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा एवं जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी मौजूद रहे।

प्रदेश योजना बैठक के प्रथम दिन कुल 55 पदाधिकारी एवं प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के दूसरे दिन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन दोपहर 12 बजे योजना बैठक में शामिल होंगे।

ध्रुव की तपस्या से छाक लीला तक, ब्रज के तीन वनों में उमड़ा भक्ति रस

धेनुकासुर वध की कथा और 'आज दधि मीठो मदन गोपाल' पद सुनकर भावविभोर हुए ब्रजयात्री

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



पद्मश्री संत रमेश बाबा की राधारानी ब्रजयात्रा सोमवार को जय गुरुदेव आश्रम के समीप स्थित पड़ाव से प्रस्थान कर मधुवन, तालवन और कुमुदवन पहुंची।

तीनों वनों के दर्शन के दौरान यात्रियों ने ब्रज की पौराणिक महिमा, श्री कृष्ण की लीलाओं और भक्त ध्रुव की कठोर तपस्या के प्रसंगों का श्रवण किया। मधुवन की महिमा बताते हुए मान मंदिर के कार्यकारी अध्यक्ष राधाकांत शास्त्री ने कहा कि पांच वर्ष की अल्पायु में बालक ध्रुव ने इसी पावन भूमि पर कठोर तपस्या की थी।

उन्हें साधना से विचलित करने के लिए माया ने अनेक बाधाएं उत्पन्न कीं। उनकी मां पुकारती रहीं कि बेटा, शेर से मुझे बचाओ, लेकिन ध्रुव अपनी तपस्या से तनिक भी विचलित नहीं हुए और भगवान नारायण के दर्शन प्राप्त कर लिए।

मासूम नगर में ग्रामीणों ने चाय और केले वितरित कर ब्रजयात्रियों का स्वागत किया। गांव की गोपियों ने भजनों पर नृत्य कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद यात्रा तालवन पहुंची, जहां बाबा नृसिंह दास ने भगवान बलराम द्वारा धेनुकासुर के वध की कथा सुनाई। कुमुदवन की ओर बढ़ते हुए उन्होंने छाक लीला का भावपूर्ण पद 'आज दधि मीठो मदन गोपाल' सुनाया। उन्होंने बताया कि श्री राधारानी द्वारा लाया गया दही इतना मीठा था कि उसके समाप्त होने पर श्री कृष्ण ने सखाओं से कहा कि अब तो मेरी हथेली ही चाट लो। छाक लीला का यह प्रसंग सुनकर ब्रजयात्रियों के नेत्र प्रेमाश्रुओं से भर आए।

कुमुदवन के दर्शन कर यात्रा अगले पड़ाव की ओर रवाना हुई। रास्ते में ब्रजवासियों ने यात्रियों को चक्क भोजन कराया। यात्रा के दौरान जगह-जगह मिल रहा ग्रामीणों का प्रेम, आत्मीयता और सेवा भाव ब्रज की अतिथि सत्कार परंपरा को जीवंत कर रहा है। ब्रजवासी इसे अपने प्यारे बाबा की यात्रा मानकर श्रद्धालुओं की सेवा में पूरे मनोयोग से जुटे हैं। यात्रा में ब्रजशरण महाराज, नृसिंह दास महाराज, राधाकांत शास्त्री, ब्रजदास, मुकुंद बाबा, गोविंद बाबा, राजकुमार गरुण, गिरधर शास्त्री और मुरलीधर दास सहित अनेक संत एवं श्रद्धालु शामिल रहे।

ब्रज वैभव अभियान : गोवर्धन में 271 स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मथुरा। हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना हैह्ल के संकल्प के साथ रविवार को गोवर्धन में ब्रज वैभव अभियान के अंतर्गत स्वच्छता एवं ध्यान अभियान आयोजित किया गया। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन, स्थानीय निकाय और हार्टफुलनेस संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में माहेश्वरी भवन, दानघाटी मंदिर के निकट आयोजित अभियान में 271 स्वयंसेवकों ने श्रमदान कर ब्रजभूमि को स्वच्छ और सुंदर बनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातःकालीन ध्यान सत्र से हुआ। इसके बाद विभिन्न स्थानों से आए स्वयंसेवकों ने स्वच्छता सेवा में भाग लिया और सामूहिक रूप से ब्रज की पवित्रता, प्राकृतिक सौंदर्य एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करने का संकल्प दोहराया।

हार्टफुलनेस संस्थान के प्रतिनिधियों ने अभियान का उद्देश्य ब्रज की प्राकृतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का संरक्षण करना बताया। कहा कि ध्यान, योग और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से लोगों को आंतरिक शांति के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना भी अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

अभियान में आगरा, सहारनपुर, दिल्ली, इगलास, हाथरस, मथुरा, छाता, सहर, गोवर्धन, राधाकुंड, जयपुर, भरतपुर, डीग, बहज और जबलपुर सहित 15 स्थानों से पहुंचे 271 स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। आयोजकों ने सभी जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विकसित भारत के संकल्प पर उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाना ही सरकार का लक्ष्य

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पत्रकारों से बातचीत करते हुए

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



परखम अनुसन्धान केंद्र में दो दिवसीय चिंतन शिवर में पहुंचे प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि गुंडागर्दी, अपराध और माफिया को खत्म करना और विकसित भारत के संकल्प पर विकसित उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाना ही सरकार का लक्ष्य है।

उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में बयानबाजी का दौर तेज हो गया है। हाल ही में मथुरा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख नेताओं ने समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार अयोध्या में भगवान श्री रामलला का भव्य मंदिर बना है, उसी प्रकार मथुरा में भी भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण होना चाहिए। यह प्रक्रिया चाहे न्यायिक मार्ग से हो आपसी बातचीत से हो या फिर इसमें समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव भी यदि कारसेवा के लिए आना चाहें तो मिलकर मंदिर का निर्माण किया जा सकता है।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ने दलित महासम्मेलन के दौरान सपा नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रोफेसर रामगोपाल यादव द्वारा दलितों को लेकर दिए गए बयानों से दलित समाज का अपमान हुआ है। इसे बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और दलितों का अपमान बताते हुए मांग की गई है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव इसके लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। साथ ही यह भी कहा गया कि समाजवादी पार्टी पिछड़ों, दलितों, गरीबों और महिलाओं की नहीं, बल्कि केवल परिवार और अपराधियों की हितैषी है।

उन्होंने अखिलेश यादव के हलाठी हारेगी, लैपटॉप जीतेगाह्व वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा गया कि सपा शासनकाल (2012झ2017) के दौरान जनता ने गुंडाराज, भ्रष्टाचार और दंगों का दौर देखा है। जनता को अब गुंडाराज या अत्याचार नहीं, बल्कि विकास, गरीब कल्याण और सबका साथ चाहिए।

हमारी सरकार बनने जा रही है और तमाम दलित हमारे साथ हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि दलितों का महासम्मेलन और दलितों को गाली, इसीलिए मैं कहता हूं समाजवादी पार्टी न पिछड़ों की समर्थक है, न दलितों की, न गरीबों और महिलाओं की समर्थक है। यह केवल परिवार और गुंडों-अपराधियों की समर्थक है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का मथुरा से 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति का शंखनाद

मथुरा। उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने मथुरा से 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति का शंखनाद कर दिया। मथुरा पहुंचकर उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का मंत्र दिया। मीडिया से बातचीत में पंकज चौधरी ने कहा कि बैठक में सभी वरिष्ठ नेता एकत्रित हो रहे हैं। 2027 का चुनाव हमारे सामने है, उसकी योजना-रचना होगी। कैसे जनता के बीच में जाना है, इन सभी विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी।



पंकज चौधरी ने सपा और अखिलेश यादव पर साधा निशाना

उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा कार्यकताओं की ताकत से चुनाव लड़ती है और इस बार भी बूथ जीतने पर ही फोकस रहेगा। इसके साथ ही कहा कि मथुरा तो कृष्ण की भूमि है। इसी आधार को लेकर हम लोग आगे बढ़ेंगे।

कृष्ण की नगरी से मिलने वाली ऊर्जा संगठन को नई ताकत देगी। भाजपा के लिए मथुरा आस्था, संस्कृति और राष्ट्रवाद का केंद्र है। समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए पंकज चौधरी ने कहा कि दलित समाज समाजवादी पार्टी के चरित्र को अच्छी तरह जानता है। अखिलेश जी बार-बार वेश बदलकर लोगों को ठगने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश की जनता उन्हें पहचान चुकी है। जनता अब उनके बहकावे में आने वाली नहीं है।

औचक निरीक्षण से सिंचाई विभाग में मचा हड़कंप

परखम में भाजपा की चिंतन बैठक में शामिल होने से पहले नहरों की सफाई और पानी छोड़ने की तैयारियों का लिया जायजा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



आगामी फसलों की बुवाई से पहले नहरों और माइनरों की सफाई तथा उनमें पानी छोड़ने की तैयारियों में लापरवाही सामने आने पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का पारा चढ़ गया। सोमवार को मथुरा के परखम में भाजपा की दो दिवसीय चिंतन बैठक में शामिल होने से पहले मंत्री ने सिंचाई विभाग के कार्यों का औचक निरीक्षण किया। उनके अचानक पहुंचने से विभागीय अधिकारियों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान नहरों की सफाई और व्यवस्थाओं में खामियां मिलने पर उन्होंने अधिकारियों के प्रति नाराजगी जताई और कार्यों में लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार आगामी फसलों की बुवाई को देखते हुए शासन की ओर से नहरों और माइनरों की सफाई का कार्य निर्धारित समय में पूरा कराने के निर्देश दिए गए थे। इसके साथ ही सफाई के बाद नहरों में पानी छोड़ने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए समय से टेंडर प्रक्रिया पूरी कराने को भी कहा गया था। इसके बावजूद कार्यों में अपेक्षित तेजी और गंभीरता दिखाई नहीं देने की शिकायतें सामने आ रही थीं।

इसी को लेकर मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने गौ ग्राम परखम स्थित चामुंडा मंदिर के निकट नहर का विशेष रूप से औचक निरीक्षण किया। मौके पर व्यवस्थाओं की स्थिति देखने के बाद उन्होंने खामियों पर नाराजगी जाहिर की। मंत्री के अचानक निरीक्षण के दौरान सिंचाई विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मंत्री को नहर का निरीक्षण करते देख अधिकारी सड़क पर पैदल ही दौड़ते नजर आए।

मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नहरों और माइनरों की सफाई का कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाए तथा टेंडर प्रक्रिया में अनावश्यक देरी न हो। किसानों की फसलों की बुवाई और सिंचाई प्रभावित होने की स्थिति नहीं आनी चाहिए।

भाजपा की चिंतन बैठक में शामिल होने से पहले मंत्री के इस औचक निरीक्षण को सिंचाई विभाग की कार्यप्रणाली की पड़ताल के रूप में देखा जा रहा है। अचानक हुई इस कार्रवाई से विभागीय अधिकारियों में खलबली मची रही।

बढ़ती सड़क दुर्घटना पर चिंता

जनसामान्य को यातायात नियमों के प्रति जागरूक

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



मुख्य सचिव, उ०प्र० शासन एवं परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश के निदेशों के अनुक्रम में प्रदेश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं एवं मृतकों की संख्या में कमी लाये जाने के उद्देश्य से सम्स्त स्टेकहोल्डर विभागों के समेकित प्रयास से प्रदेश स्तर पर 16 नवम्बर, 2026 से 30 नवम्बर, 2026 तक मनाए जाने के निर्देश दिये गये हैं।

उक्त के क्रम में परिवहन विभाग मथुरा द्वारा जनसामान्य को यातायात नियमों के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील बनाने के उद्देश्य 16 नवम्बर 2026 को परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मन्दिर में 'सड़क सुरक्षा पखवाड़ा' का शुभारम्भ विधायक पूरन प्रकाश, बल्देव मथुरा (मुख्य अतिथि) द्वारा किया गया, पखवाड़े के शुभारम्भ समारोह में विधायक पूरन प्रकाश, बल्देव मथुरा, अजय रावत, विधायक प्रतिनिधि, राजेश राजपूत, वरि० सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, (प्रवर्तन) मथुरा, श्रीमती नीतू सिंह, वरि० सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, (प्रशासन) मथुरा, सतेन्द्र कुमार सिह, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) मथुरा, संदीप चौधरी, यात्रीकर अधिकारी मथुरा, शिवेन्द्र गौतम, प्रबंधक, ओमप्रकाश शर्मा, प्रधानाचार्य, देवेन्द्र गौतम, उप प्रधानाचार्य व समस्त स्टेकहोल्डरों के साथ-साथ वि?द्यालय के 450 छात्र भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक (बलदेव, मथुरा) पूरन प्रकाश ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं सरस्वती वंदना के साथ समारोह का विधिवत शुभारम्भ किया। मुख्य अतिथि ने छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना शामिल है। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे स्वयं यातायात नियमों को जानें और अपने अभिभावकों व परिवारजनों को भी हेलमेट एवं सीट बेल्ट के प्रयोग हेतु प्रेरित करें। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं युवाओं द्वारा सड़क सुरक्षा जागरुकता हेतु रैली/वॉकथॉन का भी आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से आमजन को सुरक्षित यातायात का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं एवं आमजन को सड़क दुर्घटनाओं के गंभीर परिणामों से अवगत कराने तथा यातायात नियमों के प्रति संवेदनशील बनाने के दृष्टिगत सड़क दुर्घटना पीड़ित परिजनों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। पीड़ित परिजनों ने मंच से अपने दर्दनाक अनुभव साझा किए तथा जन-जागरूकता के उद्देश्य से उनके अनुभवों की वीडियो क्लिप भी तैयार कराई गई, जिसका प्रचार-प्रसार पखवाड़े के दौरान किया जाएगा। उ?द्घाटन समारोह के समापन पर मुख्य अतिथि पूरन प्रकाश एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं, परिवहन कर्मियों तथा उपस्थित नागरिकों को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई। सभी ने शपथ ली कि वे स्वयं एवं अपने परिजनों से यातायात नियमों का पूर्ण पालन कराएंगे-विशेषकर बिना वैध लाइसेंस व कम उम्र में वाहन नहीं चलाएंगे, दोपहिया वाहन चलाते समय मानक हेलमेट पहनेंगे, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाएंगे, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएंगे तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करेंगे।

वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन राजेश राजपूत द्वारा प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि शासन द्वारा जारी दिवसवार कार्ययोजना के अनुसार आगामी 30 नवम्बर, 2026 तक परिवहन विभाग जनपद भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे साथ ही उन्होने जनपद में संचालित यात्री वाहन / ट्रैक्टर-ट्रालियों/मालवाहनों में रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगाकर चालकों को सड़क पर सुरक्षित चलने हेतु जागरूक किया, साथ ही वाहन स्वामियों को अपने वाहनों में क्लिच, स्टेयरिंग, ब्रेक सिस्टम को दुरुस्त रखने एवं अतिरिक्त हाई बीम लाइटों का प्रयोग न करने, सड़क पर अत्यधिक कोहरा होने की स्थिति में वाहन को साइड में खड़ा करने और कोहरा कम होने पर ही यात्रा पुनः शुरू करने की सलाह दी, अन्त उन्होंने जनपद के समस्त नागरिकों, वाहन स्वामियों एवं चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन कर अपने और दूसरों के जीवन की सुरक्षा करें तथा जनपद मथुरा को सड़क दुर्घटना मुक्त बनाने में अपना सक्रिय योगदान दें।

परखम में भाजपा की योजना बैठक का आयोजन, कार्यकर्ताओं की जुटी भीड़ मुख्यमंत्री योगी भी पहुंचे

मथुरा। जनपद के परखम स्थित दीनदयाल गौ ग्राम परिसर में भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश की योजना बैठक का आयोजन किया गया। इस मंथन में भाग लेने को मुख्यमंत्री योगी देर से पहुंचे।

बैठक को लेकर परिसर में विशेष तैयारियां की गईं। कार्यक्रम स्थल पर भाजपा के झंडों, बैनरों और स्वागत द्वार के माध्यम से आयोजन की झलक दिखाई दी। इसमें भाग लेने को पार्टी के दिग्गज नेताओं का जमावड़ा लगा है। योजना बैठक में शामिल होने के लिए पार्टी के कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों का पहुंचना शुरू हुआ। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था भी दिखाई दी। आयोजन के प्रवेश द्वार को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिस पर भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश एवं योजना बैठक अंकित किया गया था।

बैठक का उद्देश्य पार्टी की संगठनात्मक एवं आगामी योजनाओं को लेकर विचार-विमर्श करना बताया गया। इस दौरान पार्टी के कार्यकताओं की मौजूदगी से परिसर में राजनीतिक गतिविधियां देखने को मिलीं।

हालांकि बैठक में शामिल प्रमुख पदाधिकारियों, वक्ताओं में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, स्मृति ईरानी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, राजेश चौधरी आदि शामिल हैं।

19 को होगा कंस वध

कृष्ण विरोधी लोगों का भी पुतला कंस की तरह कूटा जाए: पाठक

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



सोमवार को समाजवाडी पर हुई प्रेसवार्ता में महेश पाठक ने कहा कि कंस वध के साथ कृष्ण विरोधी लोगों का भी पुतला कंस की तरह कूटा जाए। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए श्री माथुर चतुर्वेद परिषद एवं अखिल भारतीय चतुर्वेदी पुरोहित महासभा के मुख्य संरक्षक महेश पाठक ने कहा कि चार दिवसीय श्री कृष्ण महोत्सव (कंस वध मेला) का आयोजन बड़ी धूमधाम के साथ किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन भगवान श्री कृष्ण से जुड़ा हुआ है। जिस प्रकार श्री कृष्ण ने अत्याचारी कंस का वध किया था, उसी प्रकार यहाँ भी जो लोग भगवान श्री कृष्ण के विरोधी हैं, उनका भी इस मेले में लोगों से राय लेकर कोई न कोई समाधान किया जाएगा।

कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार है –17 नवंबर को गोपाष्टमी, 18 को भजन संध्या, 19 को कंस वध मेला और 20 को भाग्य दीपदान का कार्यक्रम होगा।

परिषद के अध्यक्ष राजन पाठक ने कहा कि इस मेले को भव्य बनाने के लिए पूरी टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई है और सभी अपनी जिम्मेदारियों को निभाएंगे तथा मेले को भव्य बनाएंगे।

इस अवसर पर प्रेस वार्ता में संरक्षक नवीन नागर, गिरधारी लाल पाठक, संरक्षक राकेश तिवारी एडवोकेट, उपाध्यक्ष योगेंद्र चतुर्वेदी, कमल चतुर्वेदी,आशीष चतुर्वेदी सी ए,श्रीकांत चतुर्वेदी दुबई, मुंबई शाखा के उपाध्यक्ष दिलीप चतुर्वेदी शशिकांत सीपु,अमन सरदार आदि मौजूद थे। संचालन महामंत्री संजय चतुर्वेदी ऐल्पाइन ने किया। इस अवसर पर मंत्री संजय चतुर्वेदी, हर-देव चतुर्वेदी, हप्पू, श्याम चतुर्वेदी, मंत्री नीरज चतुर्वेदी, गोपाल पाठक आदि मौजूद थे।

101 महिलाओं की कलश यात्रा से भक्तिमय हुआ रजपुरा, जयकारों से गूंजे गांव के रास्ते

सैयां । गांव रजपुरा में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ से पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में 101 सजी-धजी महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भाग लिया। बैंड-बाजों की मधुर धुनों और धार्मिक जयकारों के बीच निकली कलश यात्रा से पूरा गांव भक्तिमय हो गया।



कलश यात्रा के दौरान घोड़ा-बग्गी पर कथा व्यास आचार्य नरेंद्र मोहन महाराज विराजमान थे। वहीं, कथा के परीक्षित हेमलता एवं मुन्नालाल शर्मा सिर पर श्रीमद्भागवत पुराण धारण कर चल रहे थे। इस दौरान वे ग्रामीणों और श्रद्धालुओं को कथा श्रवण के लिए आमंत्रित करते रहे। कलश यात्रा गांव के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। जगह-जगह ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूरे गांव में धार्मिक उत्साह और भक्तिमय माहौल देखने को मिला।

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर प्रशासन सख्त, राजनीतिक दलों को दिए निर्देश

- बीएलए की शत-प्रतिशत नियुक्ति कराने पर जोर
- हर बूथ पर बीएलए और बीएलओ की होगी बैठक
- प्रारूप 9, 10 और 11 का तहसील व जिला स्तर पर होगा प्रकाशन



टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फतेहाबाद।

तहसील फतेहाबाद में सोमवार को एसडीएम स्वाति शर्मा की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्य को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

एसडीएम स्वाति शर्मा ने कहा कि प्रतिदिन प्रारूप 6, 7 और 8 के सापेक्ष प्रारूप 9, 10 और 11 का प्रकाशन तहसील एवं जिला स्तर पर किया जाएगा। इसकी जानकारी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि तहसील और जिला स्तर से प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने सभी राजनैतिक दलों से अपने स्तर से बीएलए की शत-प्रतिशत नियुक्ति करने तथा नियुक्ति से संबंधित एक-एक प्रति अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर बीएलए और बीएलओ की बैठक कराई जानी है।

इसके लिए राजनैतिक दल अपने स्तर से बीएलए को सूचित करें, ताकि बैठक समय से संपन्न हो सके। इसके अलावा क्षेत्र में सामने आने वाली अन्य समस्याओं और उनके निस्तारण को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान तहसीलदार शिखर मिश्रा, विवेक शर्मा, योगेश चौहान, रामसनेही वर्मा, होतम सिंह, संदीप गुप्ता, राजेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

वारंटी के गिरफ्तार होने से बची कुर्की

पिनाहट। वारंटी के घर की कुर्की करने गई पुलिस को वारंटी मिल जाने पर पुलिस बिना कुर्की किया आरोपित को लेकर चली गई है ।

थाना पिनाहट के गांव सवाल दास पुरा निवासी सुरेश सिंह के खिलाफ फतेहाबाद के थाना निबोहरा में दर्ज मुकदमे में न्यायालय से कई बार वारंट जारी होने के बाद भी आरोपित के न्यायालय में उपस्थित नहीं होने पर न्यायालय द्वारा कुर्की के आदेश जारी किए गए थे। सोमवार को थाना निबोहरा पुलिस पिनाहट पुलिस के साथ आरोपित के घर की कुर्की करने पहुंची। इसी दौरान बिहार की ओर भाग रहे आरोपित सुरेश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित के गिरफ्तार होने से पुलिस घर की बिना कुर्ती करें वापस लौट गई है। इंस्पेक्टर पिनाहट वीपी गिरी ने बताया की आरोपित के गिरफ्तार होने से उसके घर की कुर्की बच गई है।

टेढ़ी पुलिया पर हादसों का खतरा, सीधा निर्माण कराने को कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने उठाई आवाज

सिंचाई विभाग के अधिकारियों से वार्ता कर जल्द समाधान की मांग की

- क्षतिग्रस्त और टेढ़ी पुलिया से हादसों का खतरा
- पांच गांवों के ग्रामीणों के आवागमन का प्रमुख रास्ता
- कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने एसडीओ से की फोन पर वार्ता

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, सैंया।



फतेहपुर सीकरी रजवाहा पर रहलई-ब्रथला संपर्क मार्ग को जोड़ने वाली पूर्व में बनी टेढ़ी पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई है। पुलिया की स्थिति खराब होने और घुमाव अधिक होने के कारण यहां आए दिन हादसों की आशंका बनी रहती है। कई बार वाहनों के मुड़ने के दौरान अप्रिय घटनाएं भी हो चुकी हैं। इस समस्या को लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से वार्ता कर पुलिया का निर्माण सीधी स्थिति में कराने की मांग उठाई है।

फतेहपुर सीकरी रजवाहा पर निमार्णाधीन यह पुलिया ब्रथला, वरपुरा, लादूखेड़ा, रहलई और इरादतनगर सहित कई गांवों को जोड़ती है। इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। ऐसे में पुलिया का टेढ़ा और क्षतिग्रस्त होना वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामनाथ सिंह सिकरवार ने मौके पर मौजूद सिंचाई विभाग की अवर अभियंता इनशिका पटेल से पुलिया का निर्माण सीधी स्थिति में कराने को कहा। इस पर अवर अभियंता ने उच्चाधिकारियों के आदेश के बिना निर्माण में बदलाव करने में असमर्थता जताई। इस बात पर जिलाध्यक्ष ने नाराजगी जताते हुए तत्काल सिंचाई विभाग के एसडीओ स्पर्श अग्रवाल से दूरभाष पर वार्ता की।

रामनाथ सिंह सिकरवार ने एसडीओ को जनहित की समस्या से अवगत कराते हुए कहा कि पुलिया का निर्माण सीधी स्थिति में कराया जाए, ताकि ग्रामीणों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी न हो तथा भविष्य में किसी अप्रिय घटना की आशंका भी समाप्त हो सके।इस पर एसडीओ स्पर्श अग्रवाल ने बताया कि अवर अभियंता इनशिका पटेल को मौके की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने के लिए भेजा गया है। उनकी रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खंड शिक्षा अधिकारी के सामने ही खूनी हमला

अवैध स्कूल संचालन की शिकायत की जांच के दौरान दो शिक्षकों को पीटा



- मुख्यमंत्री पोर्टल पर की थी अवैध स्कूल संचालन की शिकायत
- जांच के दौरान लोहे की सरिया से किया हमला
- घायल शिक्षकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया भर्ती

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, पिनाहट।

अवैध स्कूल की शिकायत पर जांच करने गये। एबीएसए के सामने ही स्कूल संचालकों ने शिकायत कताओं को बुरी तरह दौड़ा दौड़ा कर पीटा। जिससे सिर में गंभीर चोटे लग गयी। वहीं एबीएसए ने उच्चाधिकारियों से शिकायत कर लाइसेंस निरस्त कराने को कहा है।

थाना पिढौरा के गांव बरपुरा छूट पर न्यू होली पब्लिक स्कूल के नाम से एक विद्यालय संचालित है। इसी विद्यालय में पढ़ाने वाले दो शिक्षक संदीप निवासी गंजनपुरा और रनवीर निवासी उमरायपुरा नरी ने क ई महीनों का वेतन नहीं मिलने पर विद्यालय छोड़कर मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की। कि यह विद्यालय कोचिंग के लाइसेंस पर संचालित है। इसमें कक्षा दस तक सभी कक्षाएं संचालित है। मामले की जांच करने सोमवार को एबीएसए पिनाहट महेश पटेल मौके पर पहुंचे। जहां दोनों शिकायत कताओं को भी बुलाया गया। शिक्षकों ने बताया कि जहां बातचीत के दौरान विद्यालय संचालक जय कुमार और उसके बेटे आशीष ने लोहे की सरिता से एबीएसए के सामने ही दोनों शिकायत कताओं पर हमला कर दिया। सिल में गंभीर चोट लगने से दोनों बुरी तरह घायल हो गये। जिन्हें पुलिस ने सीएससी पिनाहट में भर्ती कराया है। वहीं एबीएसए पिनाहट महेश पटेल ने कहा कि कोचिंग के लाइसेंस पर विद्यालय संचालित हो रहा है। हमारे सामने ही दोनों शिकायत कताओं के साथ मारपीट की गयी है। हमने लाइसेंस निरस्त करने के लिए अधिकारियों को कहा है। साथ ही जुमार्ना भी लगाया जा रहा है।

सरपंच चुनाव से पहले बरौली में खूनी संघर्ष

चुनावी रंजिश में चलीं गोलियां, एक की मौत, दूसरे पक्ष का युवक घायल

- मतदान से चंद घंटे पहले दो पक्षों में आमने-सामने फायरिंग से मचा हड़कंप, गांव में भारी पुलिस बल तैनात

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, सरमथुरा।



सरमथुरा क्षेत्र के बरौली गांव में सरपंच चुनाव से ठीक पहले चुनावी रंजिश ने खूनी रूप ले लिया। रविवार रात करीब 9 बजे दो पक्षों के समर्थकों के बीच हुए विवाद के बाद आमने-सामने फायरिंग हो गई। गोलीबारी में पीतम पुत्र कल्याण की गोली लगने से मौत हो गई, जबकि दूसरे पक्ष का एक युवक घायल हो गया। मतदान से महज कुछ घंटे पहले हुई इस वारदात से गांव में दहशत फैल गई और चुनावी माहौल तनावपूर्ण हो गया।

जानकारी के अनुसार, सरपंच पद के चुनाव को लेकर दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। इसी दौरान फायरिंग शुरू हो गई। गोली लगने से पीतम गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई।

वारदात की सूचना मिलते ही डीएसपी दुलीचंद गुर्जर के नेतृत्व में सरमथुरा, आंगई और नादनपुर थानों का पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा। पुलिस ने हालात को संभालते हुए मृतक के शव को सरमथुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया। वहीं घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए रिटर्निंग अधिकारी राकेश कुमार न्योल भी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस दोनों पक्षों के घटनाक्रम और फायरिंग के कारणों की जांच में जुटी है।

मतदान से पहले प्रशासन के सामने शांति व्यवस्था की चुनौती

गौरतलब है कि सोमवार को बरौली गांव में सरपंच और उपसरपंच पद के लिए चुनाव होने हैं। मतदान से ठीक पहले हुई फायरिंग और एक व्यक्ति की मौत ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। चुनावी प्रक्रिया के बीच हुई इस हिंसक वारदात के बाद निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान कराना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। फिलहाल पुलिस गांव में लगातार निगरानी रख रही है और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाएं आज से शुरू

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत संचालित होने वाली सेमेस्टर परीक्षाएं सोमवार, 17 नवंबर 2026 से कड़े सुरक्षा और पारदर्शिता के बीच प्रारंभ होने जा रही हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा स्नातक स्तर के प्रथम, तृतीय व पंचम सेमेस्टर और परास्नातक स्तर के तृतीय व चतुर्थ सेमेस्टर की इन परीक्षाओं के सुव्यवस्थित एवं निष्पक्ष संचालन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। परीक्षा से जुड़ी गोपनीय सामग्री को तय किए गए सभी 30 नोडल केंद्रों पर सुरक्षित भिजवा दिया गया है।

विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के कुल 276 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होने वाली इन परीक्षाओं में कुल 2,54,414 छात्र-छात्राएं अपनी किस्मत आजमाएंगे। परीक्षा की हर गतिविधि पर लाइव नजर रखने और पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए विश्वविद्यालय के खंदारी परिसर में एक विशेष 'ऑनलाइन निगरानी केंद्र' (ऑनलाइन मॉनिटरिंग सेंटर) स्थापित किया गया है। शासन की मंशा के अनुरूप पूरी तरह नकलविहीन और शांतिपूर्ण परीक्षाएं संपन्न कराने के लिए सचल दलों (फ्लाइंग स्क्वॉड) का गठन करने के साथ-साथ आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी चारों जनपदों में वरिष्ठ पर्यवेक्षकों की भी नियुक्ति कर दी गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी परीक्षा केंद्रों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि परीक्षा की शुचिता और अनुशासन से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए।



डीएम, एसएसपी ने सड़क सुरक्षा पखवाड़ा का किया शुभारंभ

फिरोजाबाद। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं एवं उनमें होने वाली जनहानि को कम करने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट तथा चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य कुमार लांग्हे के साथ प्रचार-प्रसार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उन्होंने वाहन चालकों से निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने के प्रति जागरूक किया। अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल यातायात नियमों का पालन करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वयं और दूसरों के जीवन की रक्षा करने का संकल्प है। आमजन से अपील की गई कि यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग करें तथा सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाने में अपना सहयोग दें।

जनपद में स्व गणना की प्रक्रिया शुरू, 30 नवंबर तक दर्ज करा सकेंगे परिवार का विवरण



फिरोजाबाद। जनपद में सोमवार से स्व गणना की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से प्रारंभ हो गई है। यह प्रक्रिया 30 नवंबर तक संचालित की जाएगी। अभियान के शुभारंभ के अवसर पर जनपद के विशिष्ट व्यक्तियों ने स्वयं अपनी स्व गणना कर नागरिकों को भी इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने अपनी स्व गणना की। इसके पश्चात जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने अपने परिवार के साथ स्व गणना कर अभियान की शुरूआत की। उन्होंने जनपद के सभी नागरिकों से अपील की कि वे स्व गणना पोर्टल के माध्यम से स्वयं और अपने परिवार का विवरण दर्ज कराएं तथा इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रक्रिया में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। अधिकारियों ने बताया कि स्व गणना के दौरान उपलब्ध कराई जाने वाली सटीक एवं सही जानकारी देश की भावी नीतियों के निर्धारण, विकास योजनाओं के निर्माण और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसलिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए निर्धारित अवधि में सही जानकारी दर्ज करानी चाहिए।

मतदाता जोड़ो अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी बनाने पर जोर



- भाजपा महानगर की कार्यशाला में पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल कराने का लिया संकल्प, पदाधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियां

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।

भारतीय जनता पार्टी महानगर द्वारा ह्यमतदाता जोड़ो अभियान के तहत जिला कार्यालय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कार्यकताओं को अभियान की महत्ता बताते हुए इसे बूथ स्तर तक प्रभावी बनाने का आह्वान किया।

महानगर जिलाध्यक्ष डॉ. सतीश दिवाकर ने कहा कि भाजपा का संगठन बूथ स्तर पर कार्यकताओं की सक्रियता और समर्पण से मजबूत हो रहा है। मतदाता जोड़ो अभियान संगठन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसके तहत प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए कार्यकताओं को जिम्मेदारी के साथ काम करना होगा। मुख्य अतिथि विवेक सारस्वत ने कहा कि मतदाता जोड़ो अभियान लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यकर्ता अपने-अपने बूथ पर सक्रिय रहकर नए मतदाताओं के नाम जुड़वाने, छूटे हुए पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल कराने और आवश्यक संशोधन कराने का कार्य गंभीरता से करें। प्रदेश उपाध्यक्ष सोनू सिंह ने संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर के कार्यकताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए एकजुटता और सक्रियता के साथ अभियान को सफल बनाने की अपील की। फिरोजाबाद विधानसभा संयोजक कैलाश ओझा और शिकोहाबाद विधानसभा संयोजक गोपाल शर्मा सहित पदाधिकारियों को अभियान के तहत किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी गई। इस दौरान अरविंद पचौरी, सुनील शर्मा, राजेंद्र गुप्ता बहोरे, पूर्व विधायक ओमप्रकाश वर्मा, मक्खनपुर अध्यक्ष गीता देवी दिवाकर, रामनरेश कटारा, केशव सिंह फौजी, डॉ. एसपी लहरी, आकाश गुप्ता, डॉ. शैलेंद्र गुप्ता शालू, मनीष राठौर, दुर्गेश यादव, विमलेश यादव, किरन राठौड़, हरी बाबू दिवाकर, सुशील यादव, अनु गुर्जर, राजेश झा सहित आदि मौजूद रहे।

लोकतंत्र के उत्सव में जज्बे की मिसाल: खाट पर लेटकर मतदान करने पहुंचा दिव्यांग मतदाता

बसेड़ी। पंचायतीराज चुनाव के चौथे और अंतिम चरण में सोमवार को बसेड़ी पंचायत समिति की 29 ग्राम पंचायतों में सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के लिए मतदान हुआ। लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदाताओं का उत्साह देखते ही बना। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की कतारें लगनी शुरू हो गईं। इस दौरान एक ऐसा दृश्य भी सामने आया, जिसने मतदान के प्रति जागरूकता और लोकतांत्रिक जिम्मेदारी की अनूठी मिसाल पेश की।

शारीरिक रूप से दिव्यांग होने के बावजूद एक मतदाता मतदान के अपने अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए खाट पर लेटकर मतदान केंद्र पहुंचा। वहीं, खिडोरा गांव में एक महिला को उसके परिजन व्हीलचेयर पर बैठाकर मतदान केंद्र तक लेकर पहुंचे। इन तस्वीरों ने यह संदेश दिया कि लोकतंत्र में एक-एक वोट की कितनी अहमियत है। शारीरिक असमर्थता भी मतदाताओं के हौसले को नहीं डिगा सकी।

बसेड़ी क्षेत्र की 29 ग्राम पंचायतों में सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए हुए मतदान में कुल 73.32 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाताओं की आवाजाही बनी रही। सरपंच पद के प्रत्याशी और उनके समर्थक भी मतदाताओं से संपर्क कर अपने पक्ष में मतदान की अपील करते नजर आए। कई ग्राम पंचायतों में चुनावी मुकाबले को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया।

गौरतलब है कि मतदाता इससे पहले 14 नवंबर को जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए मतदान कर चुके हैं। सोमवार को उन्होंने सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतगणना शुरू हुई और परिणामों को लेकर प्रत्याशियों एवं समर्थकों की धड़कनें तेज रहीं। देर शाम से देर रात तक चुनाव परिणाम सामने आने की संभावना रही।



लोकतंत्र की सबसे खूबसूरत तस्वीर

बसेड़ी के मतदान की सबसे प्रेरक तस्वीर उन मतदाताओं की रही, जिन्होंने शारीरिक कठिनाइयों के बावजूद मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। खाट पर लेटकर पहुंचे दिव्यांग मतदाता और व्हीलचेयर पर मतदान करने पहुंची महिला ने यह साबित कर दिया कि लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनाव कराने से नहीं, बल्कि हर नागरिक की भागीदारी से सुनिश्चित होती है।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, दो युवक गंभीर घायल

फिरोजाबाद। थाना नारखी क्षेत्र के अंतर्गत जलेसर रोड स्थित शाहपुर चक्की के पास देर रात दो बाइकों की जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में दोनों बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से एक की हालत नाजुक देखते हुए उसे आगरा रेफर कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार नारखी थाना क्षेत्र के गांव जाखई निवासी ज्ञान सिंह का 19 वर्षीय पुत्र प्रेम किशोर हाईवे बाईपास स्थित अपनी दुकान बंद कर बाइक से वापस घर लौट रहा था। जैसे ही वह जलेसर रोड पर शाहपुर चक्की के समीप पहुंचा, तभी सामने से आ रही एक अन्य बाइक से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस कर्मियों ने राहगीरों की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला सरकारी अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही घायल प्रेम किशोर के परिजन भी जिला अस्पताल पहुंच गए। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद प्रेम किशोर की गंभीर हालत को देखते हुए रेफर कर दिया।

शिक्षकों को जनगणना व चुनावी कार्यों से मुक्त रखा जाए, छात्रहित में डीएम से की मांग

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।



उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ की बैठक डीएवी इंटर कॉलेज में में संपन्न हुई। बैठक में पिछली कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई तथा सर्वसम्मति से उसका अनुमोदन किया गया।

संघ के जिलाध्यक्ष उमेश चंद यादव ने कहा कि विगत चुनाव में संगठन की स्थिति संतोषजनक नहीं रही। संगठन को मजबूत बनाने के लिए इकाई स्तर से लेकर जनपद स्तर तक कार्यकताओं को कठिन परिश्रम करना होगा। उन्होंने कहा कि जनपद में शिक्षकों की अनेक समस्याएं लंबित हैं, लेकिन संगठन द्वारा बार-बार मांग उठाने के बावजूद विभागीय कार्यालय स्तर पर उनका समाधान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को जनगणना और विधानसभा चुनाव की तैयारियों जैसे कार्यों में लगा दिया गया है। इसी बीच हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाएं भी होनी हैं। विभाग शिक्षकों को 84 दिन में पाठ्यक्रम पूरा करने के निर्देश दे रहा है, जबकि उन्हें अन्य कार्यों में भी लगाया जा रहा है। 16 नवंबर से एक दिसंबर तक स्वगणना के लिए घर-घर जाने और इसके बाद चार जनवरी तक प्रगणक का कार्य करने की जिम्मेदारी से विद्यालयों में शिक्षण कार्य प्रभावित होगा। ऐसे में शिक्षक निर्धारित समय में पाठ्यक्रम कैसे पूरा कर पाएंगे। उन्होंने जिलाधिकारी से छात्रहित को ध्यान में रखते हुए शिक्षकों को विद्यालयों से कार्यमुक्त न करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि 18 नवंबर को जिला विद्यालय निरीक्षक को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की जाएगी। इसके बाद भी कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

ईसीआईएनईटी ऐप से छात्राओं को दी डिजिटल निर्वाचन प्रक्रिया की जानकारी



फिरोजाबाद। भारत निर्वाचन आयोग के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता एवं डिजिटल निर्वाचन प्रक्रिया को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महात्मा गांधी बालिका महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एचं उप जिला निर्वाचन अधिकारी कल्पना जायसवाल के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में ईएलसी सहायक नोडल अधिकारी डॉ. हिमांशु शर्मा ने छात्राओं के मोबाइल फोन में ईसीआईएनईटी ऐप डाउनलोड करवाया और इसके माध्यम से निर्वाचन संबंधी विभिन्न डिजिटल सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस ऐप के जरिए मतदाता पंजीकरण, मतदाता सूची में नाम की जांच सहित निर्वाचन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां घर बैठे प्राप्त की जा सकती हैं। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निशा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में पंजीकरण जरूरी है। उन्होंने छात्राओं से अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने और मतदान के प्रति जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को डिजिटल निर्वाचन सेवाओं की जानकारी देकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया।

एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन के तरीकों की सफलता मुख्यतया हानिकारक कीट एवं मित्र कीटों की निगरानी के आधार पर कीट प्रबंधन के विभिन्न घटकों के एकीकरण कर सही निर्णय को लागू करने के ऊपर निर्भर है।



सब्जी उत्पादन में समन्वित कीट प्रबंधन

फसल चक्र अपनाकर कीट नियंत्रण

किसी भी खेत में सब्जियों को लगाते समय उचित फसल-चक्र अपनाना चाहिए जिससे एक ही कुल की सब्जी को पुनः नहीं लगाना चाहिए। इस विधि से निरन्तर जीवन चक्र , अपेक्षाकृत संख्या एवं क्षति स्तर कम किया जा सकता है।

बुवाई व पौध रोपण के समय में परिवर्तन करके- कीटों के प्रति फसल की मुलायम अवस्था को ध्यान में रखकर फसल की बुवाई तथा रोपाई के समय में परिवर्तन करके अधिक हानि से बचाया जा सकता है। सब्जियों की बुवाई व रोपाई के समय में परिवर्तन कर लाल भृंग कीट, फल मक्खी, तना एवं फल छेदक कीट के प्रकोप को कम किया जा सकता है। पौधों की बुवाई व रोपाई ऐसे समय में करना चाहिए, जब पौधों की नाजुक अवस्थाएं एवं हानिकारक कीटों की निष्क्रिय अवस्थाएं समानान्तर हों।

सस्य क्रियाओं द्वारा कीट प्रबंधन

कीट प्रबंधन में इस घटक के ऊपर कोई अतिरिक्त खर्च नहीं होता है, साथ ही यह पर्यावरण को सुरक्षित व अधिक टिकाऊ बनाता है। सस्य क्रियाओं का चयन ऐसा होना चाहिए जिससे नाशीकीटों के ऊपर एकीकृत एवं मित्र कीटों के ऊपर अनुकूल प्रभाव पड़े। इसके अन्तर्गत उचित किस्मों का चयन, बुवाई एवं रोपाई के समय में परिवर्तन, कीट-प्रपंच, फसल चक्र एवं अंतः फसलों का सही चुनाव आदि शामिल है।

अवरोधी एवं सहनशील किस्मों का उपयोग

किसी क्षेत्र के नाशीकीट एवं मित्र कीटों की विविधता एवं सघनता के आधार पर अवरोधी या सहनशील किस्मों का चुनाव समन्वित कीट प्रबंधन की महत्वपूर्ण कड़ी है। इस प्रकार चयनित किस्मों में अपेक्षाकृत कीटों का प्रकोप कम होता है तथा रासायनिक दवाओं के उपयोग में भी कमी आती है। यह विधि सबसे सरल, सस्ती व दुष्प्रभाव रहित है।

ग्रीष्मकालीन जुताई

गर्मी के मौसम में गहरी जुताई करके सुषुप्त अवस्था में पड़े कीड़ों को नष्ट करना एक प्रभावी नियंत्रण विधि है। फसल की कटाई के बाद खेत की गहरी जुताई करके फल मक्खी, कद्दू का लाल भृंग तथा कटुआ कीट के जीवन चक्र को नष्ट कर उनकी सक्रियता को कम किया जा सकता है।

अन्तः फसलीकरण

सब्जियों की फसल के बीच में अन्तः फसलीकरण की क्रिया के द्वारा भी कीटों के प्रकोप को कम किया जा सकता है। अन्तः फसलीकरण में लगाए गए भिन्न-भिन्न प्रकृति के पौधों द्वारा छोड़े जाने वाले जैव रसायन से कीटों के प्रौढ़ दूर भागते हैं तथा उनके द्वारा अण्डा देने की क्रिया भी कम हो जाती है। इस प्रकार के पौध रोपण प्रक्रिया से परभक्षी एवं परजीवी कीटों की क्रियाशीलता को बढ़ाती है। टमाटर एवं गोभी की अन्तः फसलीकरण से इन दोनों सब्जियों में कीट अकेले की अपेक्षा कम लगते हैं।



कीटों को आकर्षित करने वाली फसलों का उपयोग

मुख्य फसल के साथ ऐसी फसलों को लगाना चाहिए, जिनको कीट मुख्य फसल की अपेक्षा अधिक पसंद करते हैं। आकर्षित करने वाली फसलों को मुख्य फसल में लगाकर बिना किसी रसायन के प्रयोग से मुख्य फसल को आसानी से कम लागत में उगाया जा सकता है। क्योंकि मुख्य फसल पर लगने वाले कीड़े आकर्षक फसलों पर आ जाते हैं, जिनको आसानी से नष्ट किया जा सकता है। गोभीवर्गीय फसलों को हरी सूड़ी एवं पर्ण जालक कीट के नियंत्रण के लिए सरसों का तथा टमाटर में लगने वाली फल छेदक कीट के रोकथाम के लिए गेंदे के फसल को आकर्षक फसल के रूप में प्रयोग करना चाहिए।

सब्जी में जैविक विधि से कीट नियंत्रण

समन्वित कीट प्रबंधन में जैविक नियंत्रण एक प्रमुख घटक है। किसी भी परिस्थिति में मित्र कीट एवं अन्य सूक्ष्म जीव मुख्यतया हानिकारक कीटों की संख्या को प्राकृतिक रूप से सीमित रखने में सहायता करते हैं। जैविक नियंत्रण से इन्हीं कारकों का प्रभावी ढंग से समन्वित कीट प्रबंधन में प्रयोग होता है, तथा मित्र कीटों को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जाता है। बहुत सारे परभक्षी व परजीवी कीट प्राकृतिक दशा में मित्र कीट के रूप में पाये जाते हैं, जो हानिकारक कीटों के विभिन्न अवस्थाओं को क्षति पहुंचाते हैं। एक हेक्टेयर टमाटर की फसल को फलछेदक कीट से रोकथाम के लिए 2,50,000 ट्राइकोग्रामा परजीवी कीट का प्रयोग किया जाता है। इसी प्रकार क्राइसोपरला कारनिया नामक परभक्षी कीट को 50,000 प्रति हेक्टेयर की दर से दस दिन के अन्तराल पर तीन बार छोड़ने से सफेद मक्खी, हरा फुदका, माहू आदि से फसल को सुरक्षित रखा जा सकता है। कीटों के प्राकृतिक षत्रु को प्रयोगशाला में अधिक संख्या में उत्पादन कर, उसे सफलतापूर्वक, आवष्यकतानुसार फसलों पर छोड़कर विषैले रसायनों के उपयोग में कमी लायी जा सकती है।

व्यवहारिक नियंत्रण

इस विधि के अन्तर्गत प्रौढ़ कीटों को फेरोमोन का प्रयोग कर भ्रमित किया जाता है। सब्जियों में मुख्य रूप से बैगन का तना व फल बेधक, तम्बाकू की सूंड़ी, टमाटर का फल बेधक एवं फल मक्खी को फेरोमोन द्वारा आकृष्ट कर नियंत्रण किया जा सकता है।

सूक्ष्म जीव द्वारा फसलों की सुरक्षा

सूक्ष्म जीव कीटनाशियों के अन्तर्गत जीवाणु, कवक और विषाणु का प्रयोग करके हानिकारक कीटों में रोग उत्पन्न कर उनका नियंत्रण किया जा सकता है। यह रोग हानिकारक कीड़ों में महामारी की तरह फैलता है जिससे कीड़े मर जाते हैं। सूक्ष्म कीटनाशियों में बी.टी. का प्रयोग व्यवहारिक स्तर पर किया जा रहा है। जिसके प्रयोग से गोभी का हीरक पृष्ठ कीट, भिण्डी का तना एवं फल छेदक कीट, टमाटर का फल बेधक कीटों का नियंत्रण संभव हुआ है।

यांत्रिक विधि से कीटों का नियंत्रण

कुछ कीट जिनको आसानी से देख जा सके उन्हें पकड़कर मार देना चाहिए। हड्डा बीटल, तम्बाकू की सूड़ी के अण्डे तथा तना व फल को भेदकर खाने वाली सूड़ी (बैगन व भिण्डी के फल छेदक कीट) को बहुत आसानी से देखकर कीट की विभिन्न अवस्थाओं को नष्ट कर देने से इनसे होने वाली क्षति से बचा जा सकता है। कीट नियंत्रण की इस विधि में लागत कम आती है एवं यह विधि सुरक्षित भी है।

रसायनों का सुरक्षित एवं आवश्यक मात्रा का प्रयोग

रसायनों का अनियमित और अत्यधिक प्रयोग करने से कीटों में प्रतिरोधी क्षमता का विकास हो जाता है। साथ ही हानिकारक रासायनिक अवशेषों की वातावरण में वृद्धि होती है। समन्वित कीट प्रबंधन में यदि दूसरे कारकों के साथ सही संतुलन बनाकर सुरक्षित रसायनों की सही मात्रा एवं उचित अंतराल पर छिड़काव किया जाय तो कीटनाशी रसायन बहुत प्रभावी होता है। विभिन्न कीटनाशियों का अलग-अलग प्रतीक्षाकाल होता है। इसलिए दवा छिड़कने के बाद प्रतिक्षाकाल के बाद फल की तुड़ाई करने से रासायनिक अवयवों के अवषेष नहीं रहते हैं।

सोयाबीन में बीमारी-कीट का नियंत्रण



बैक्टीरियल पस्च्यूल की समस्या होने पर कासुगेमेसिन 0.2 प्रतिशत, कॉपर आक्सीक्लोराइड 0.2 प्रतिशत, या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 200 पी.पी.एम. का छिड़काव करें।

गेरूआ रोग से बचाव के लिये हेक्जाकोनेजोल 5 ई.सी. या प्रोपाकोनेजोल 5 ई.सी. या ट्राईएडमिफान 25 डब्ल्यू. पी. या कापर आक्सीक्लोराइड 20 ई.सी. रोग के लक्षण दिखते ही तुरंत 0.1 प्रतिशत की दर से 40-45 दिन की फसल होने पर छिड़काव करें। इस छिड़काव से पौधे पूरी तरह भींगने चाहिए तथा 500-700 लीटर पानी प्रति हे. प्रयोग करना चाहिए। आवश्यकतानुसार 15-20 दिन में छिड़काव दोहराना चाहिए।

कीट नियंत्रण

सोयाबीन फसल में कई कीटों का प्रकोप विभिन्न क्षेत्रों में पाया जाता है। इन कीटों में तने की मक्खी व चक्रभृंग (तना छेदक कीट), अर्ध कुन्डलक इल्ली, कम्बल कीट, तम्बाखू की इल्ली, अलसी की इल्ली, चने की फली छेदक (पत्ती भक्षक कीट), एवं सफेद मक्खी, जेसिड्स माइटस् और थ्रिप्स (रस चूसक) प्रमुख हैं।

इनके नियंत्रण के उपाय निम्नलिखित हैं

- फेरोमोन ट्रैप्स लगाने से वयस्क कीट (उड़ने वाले) आकर्षित होकर ट्रैप में गिर जाते हैं जिससे इल्लियों जैसे कीटों का नियंत्रण संभव है।
- तम्बाखू की इल्ली, एवं कम्बल कीट के नियंत्रण के लिये प्रभावित पौधों से अंडगुच्छ एवं लार्वीगुच्छ वाली पत्तियों को एकत्र कर नष्ट कर दें। जब हम खेत का निरीक्षण करते हैं तब कागज की तरह या जालीदार पत्तियां जैसे ही दिखें वहां पत्तियों के नीचे अंड गुच्छ या लार्वीगुच्छ मिल जायेंगे, इस प्रकार की पत्तियों या पूरे पौधे को धीरे से इकट्ठा करें एवं बोरी में डालते जायें तथा अन्त में खेत से बाहर लाकर नष्ट कर दें। जिस जगह पर इस प्रकार की पत्तियाँ मिलें उसके चारों तरफ कीटनाशक का छिड़काव तुरंत करें।

तना छेदक मक्खी एवं सफेद मक्खी

फोरेट 10 जी. दानेदार दवा को 10 कि.ग्रा. प्रति हे. के हिसाब से जुताई के समय मिट्जी में मिला दें। या थायोमेथोक्जाम 70 डब्ल्यू. एस. 3 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से बोनी पूर्व बीज उपचारित करें।

गर्डल बीटल (चक्रभृंग एवं पत्ती छेदक)

ट्रायजोफास 40 ई.सी. दवा 800 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें। या इंडोक्साकार्ब 14.5 एस.सी., 300 मि.ली. प्रति हे. या इथोफेनप्राक्स 10 ई.सी. 1 लीटर प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

पत्ती भक्षक कीट

स्पायनोसेड 45 एस.सी. 125 मि.ली. प्रति हे. या रायनेक्सीपीर 20 एस.सी. 100 मि.ली. प्रति हे. या क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी. या क्यूनालफास 25 ई.सी. 1500 मि.ली. प्रति हे. या इंडोक्साकार्ब 15 ई.सी. 300 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जेसिडस, एफिड, माइट्स

इथियान 50 ई.सी. दवा की 1.5 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना मक्खी एवं सफेद मक्खी

थायामेथोक्जाम 25 डब्ल्यू.जी.100 ग्राम प्रति हे. या इथोफेनप्राक्स 10 ई.सी. की 1 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

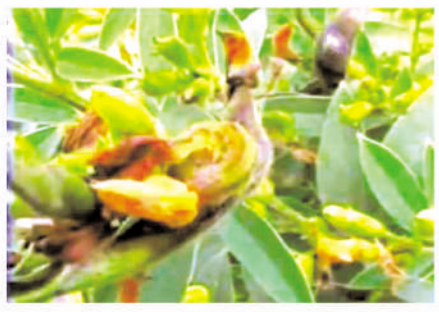
जैविक कीटनाशक

- बैवेरिया बेसियाना या बीटी, 1 लीटर प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से पत्ती भक्षक इल्लियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।
- एच.ए.एन.पी.व्ही. या एस.आई.एन.पी.व्ही. की 250 एल.ई. प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से भी पत्ती भक्षक कीटों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।



अरहर को कीट-रोग से बचाएं

कीट प्रबन्धन



चने की इल्लीः इल्लियाँ हरे से भूरे रंग की एवं शरीर के किनारों पर हल्की या गहरी लहरदार धारियाँ पाई जाती हैं। इसकी इल्लियाँ प्रारम्भिक अवस्था में पत्तियों को नुकसान पहुँचाती हैं तथा बाद की अवस्था में फल्ली में गोलाकार छेद बनाकर अपना सिर फल्ली में घुसाकर दाने को खाती हैं।

फल्ली मक्खी

इस कीट के वयस्क काले रंग के तथा आकार में घरेलू मक्खी से छोटे होते हैं। इसकी इल्लियाँ दाने में सुरंग बनाकर क्षति पहुँचाती हैं तथा क्षतिग्रस्त दानों में फफूंद का प्रकोप होने से यह खाने लायक नहीं रहती। क्षतिग्रस्त फल्लियाँ सूखकर सिकुड़ जाती हैं।

पोड बग

इस कीट के शिशु एवं वयस्क दोनों फल्ली से रस चूसकर नुकसान पहुँचाते हैं, जिसमें फल्लियों में काले धब्बे बन जाते हैं। हरी फल्लियाँ गिर जाती हैं एवं फल्लियों में दाने सिकुडे हये, छोटे एवं कम संख्या में पाये जाते हैं।



रोग प्रबन्धन

उकठा (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम उडम नामक कवक द्वारा होता है। फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में रोग का प्रकोप सर्वाधिक होता है। रोगी पौधा एकाएक पीला पड़कर सूखने लगता है।

रोकथाम के उपाय

रोग से बचने के लिये गर्मी में गहरी जुताई व निरोधक जातियाँ जैसे- सी.-11, जे.ए.-4, आशा, राजीव लोचन आदि लगाना चाहिये।

झुलसा रोग

इस रोग का प्रकोप, जहाँ पानी ठहरता है, वहाँ अधिक होता है। रोग के कारण पत्तियों पर पहले पनीले धब्बे बनते हैं। कॉलर भाग में भूरे विक्षत बनते हैं। विक्षत भाग से पौधा टूट कर सूख जाता है। फसल को मादा कूड़ विधि से लगाये, बीज मादा में बोये। खेत से जल निकास की उचित व्यवस्था करें। निंदाई- गुड़ाई समय पर अवश्य करें तथा अनावश्यक पौधे को निकाल दें ताकि उनका आवागमन अच्छा हो जिससे ज्याद नमी न रहे। गमी की गहरी जुताई करें और संभव हो तो मिट्टी का सूर्यताप द्वारा मिट्टी का 6-7 सप्ताह के लिए निर्जीवीकृत करे ऐसा करने से मृदा जनित रोगों पर नियंत्रण किया जा सकता है।

ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें

चने की इल्ली व शंखी तेज धूप में मर जाती हैं तथा शिकारी पक्षियों द्वारा खा ली जाती हैं।

- फसल की बोनी जून माह में करने से फल्लीभेदक कीटों के प्रकोप में कमी आती है।
- ज्वार की अन्तवर्तीय फसल के रूप में तथा मक्का की ऊँची किस्म को खेत के बॉर्डर पर उगाएं। ये फसलें प्राकृतिक शत्रुओं के छिपने तथा शिकारी पक्षी उन पर बैठकर बड़ी संख्या में इल्लियों का भक्षण करते हैं।
- गेंदा को ट्रैप फसल के रूप में बॉर्डर पर उगाएँ। इससे चने की इल्ली के प्रकोप में कमी आती है।
- खेतों में चिड़ियों के बैठने हेतु 'टी' आकार की खूँटी 50 नग प्रति हेक्टेयर की दर से लगायें।
- प्रकाश प्रपंच फसल से 10-15 मीटर की दूरी पर लगाएँ तथा सायं 6.30 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक चलाएँ।
- चने की इल्ली की निगरानी के लिये पाँच फेरोमोन प्रपंच प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 30 दिनों बाद लगाएँ।
- फसल की सतत् निगरानी करते रहें तथा कीटों का आर्थिक स्तर आने पर निम्नलिखित उपाय करें।
- चने की इल्लीः 5 अण्डे या तीन छोटी इल्लियाँ/पौधा या 1 इल्ली/ 5 शाखाओं या 5-6 प्रौढ़/प्रपंच/दिन।

जय शाह दोबारा बने आईसीसी अध्यक्ष

निर्विरोध हुआ चयन, बोर्ड की बैठक के दौरान फैसला

एजेंसी, नई दिल्ली।

जय शाह लगातार दूसरी बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष बन गए हैं। जय शाह को निर्विरोध आईसीसी का अध्यक्ष चुना गया है। इंडोनेशिया के बाली में आयोजित आईसीसी बोर्ड की बैठक के दौरान निदेशकों के प्रस्ताव के बाद बोर्ड ने उनके दूसरे कार्यकाल पर मुहर लगा दी। इस फैसले को क्रिकेट के वैश्विक विस्तार और खेल के भविष्य की योजनाओं के लिहाज से अहम माना जा रहा है।



आईसीसी बोर्ड को जय शाह पर भरोसा

जय शाह के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए आईसीसी बोर्ड ने उन्हें एक और कार्यकाल की जिम्मेदारी सौंपी है। क्रिकेट इस समय वैश्विक स्तर पर अपने विस्तार, प्रशंसकों की बढ़ती संख्या और व्यावसायिक विकास के नए दौर से गुजर रहा है। इसके अलावा, लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में क्रिकेट की वापसी भी इस खेल के लिए एक बड़ा अवसर मानी जा रही है। आईसीसी ने हाल ही में प्रतियोगिताओं के लिए अपने दीर्घकालिक कार्यक्रम का भी विस्तार किया है, जिससे खिलाड़ियों को अधिक मौके और क्रिकेट के विकास के नए रास्ते मिल सकेंगे।

बोर्ड ने क्रिकेट की बुनियादी संरचना को मजबूत करने, महिला क्रिकेट के विकास को गति देने और एसोसिएट सदस्यों के लिए अवसर बढ़ाने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने तथा खेल के भविष्य के लिए बेहतर व्यावसायिक अवसर विकसित करने पर जोर दिया गया।

दोबारा जिम्मेदारी मिलने पर क्या बोले जय शाह?

दूसरी बार आईसीसी अध्यक्ष चुने जाने पर जय शाह ने कहा, आईसीसी बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। सभी निदेशकों के निरंतर विश्वास और समर्थन के लिए मैं उनका आभारी हूं। आईसीसी के चेयरमैन के रूप में काम करना मेरे लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। मैं दुनिया भर में क्रिकेट के हितों को आगे बढ़ाने के लिए सभी सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। हम अपने खेल के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण और रोमांचक दौर में प्रवेश कर रहे हैं। लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी हमारे खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाने और खिलाड़ियों तथा प्रशंसकों की नई पीढ़ी को प्रेरित करने का असाधारण अवसर है।

जय शाह बोले- सिर्फ टूर्नामेंट आयोजित कराना जिम्मेदारी नहीं

जय शाह ने क्रिकेट के भविष्य को लेकर कहा, हमारी जिम्मेदारी केवल सफल टूर्नामेंट आयोजित करने तक सीमित नहीं है। हमें प्रशंसकों, खिलाड़ियों, व्यावसायिक साझेदारों और अन्य प्रमुख हितधारकों को ध्यान में रखते हुए खेल के लिए एक मजबूत और बेहतर भविष्य तैयार करना होगा। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकत लोगों को एक साथ जोड़ने की क्षमता है। बोर्ड और सदस्य देशों के समर्थन से हमारा ध्यान अपनी योजनाओं को हकीकत में बदलने और ऐसी प्रगति सुनिश्चित करने पर रहेगा, जिसकी विरासत आने वाली पीढ़ियों तक कायम रहेगी।

भारत बनाम न्यूजीलैंडः रोहित को लेकर किस तरह बढ़ी प्रज्ञान ओझा की चिंता?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में खराब प्रदर्शन के बाद अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप के लिए उनकी दावेदारी पर सवाल उठने लगे हैं। अब चयन समिति के नए अध्यक्ष प्रज्ञान ओझा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह तय करने की होगी कि रोहित को उनके अनुभव और टीम के प्रति योगदान के आधार पर मौका दिया जाए या फिर मौजूदा फॉर्म को चयन का आधार बनाया जाए।

रोहित शर्मा और प्रज्ञान ओझा की दोस्ती जूनियर क्रिकेट के दिनों से है। दोनों के बीच राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के ट्रेनिंग कैंप के दौरान भी नजदीकियां बढ़ीं। लेकिन अब क्रिकेट के मैदान पर दोनों के सामने एक मुश्किल स्थिति खड़ी है। ओझा को चयनकर्ता प्रमुख के तौर पर रोहित के भविष्य को लेकर निष्पक्ष फैसला करना होगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसकी धरती पर खेली गई वनडे सीरीज में रोहित का बल्ला पूरी तरह खामोश रहा। उन्होंने चार पारियों में महज 30 रन बनाए। तेज गेंदबाजों की स्विंग, सीम मूवमेंट और उछाल के सामने रोहित संघर्ष करते नजर आए। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या वह अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप की चुनौती के लिए खुद को तैयार कर पाएंगे।

इससे पहले भी रोहित के संन्यास को लेकर चयनकर्ताओं और उनके बीच बातचीत हो चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के कहने पर प्रज्ञान ओझा ने इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले रोहित से मुलाकात की थी। इस बातचीत का मकसद यह जानना था कि क्या रोहित लॉर्ड्स में अपने वनडे करियर को अलविदा कहने के लिए तैयार हैं। हालांकि, रोहित इस प्रस्ताव से सहमत नहीं थे और उन्होंने भारतीय क्रिकेट के शीर्ष अधिकारियों तक अपनी नाराजगी भी पहुंचा दी।

कीवियों के खिलाफ टेस्ट में होगी असली परीक्षाः न्यूजीलैंड में कैसा है भारत का रिकॉर्ड?

एजेंसी, नई दिल्ली।



भारतीय टीम का प्रदर्शन टी20 के बाद वनडे सीरीज में भी शानदार रहा। भारतीय टीम ने वनडे सीरीज को 3-1 से अपने नाम किया। हालांकि, भारतीय टीम की असली परीक्षा अब क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट यानी टेस्ट में होगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है जिसका पहला मुकाबला 19 नवंबर से वेलिंगटन में खेला जाएगा।

भारत के लिए क्यों अहम है सीरीज

भारत के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली ये टेस्ट सीरीज काफी अहम है। भारत को अगर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार रखनी है तो उसे हर हाल में सीरीज अपने नाम करनी होगी। डब्ल्यूसीटी की अंक तालिका में भारतीय टीम फिलहाल चौथे स्थान पर है। वहीं, न्यूजीलैंड शीर्ष पर है।

हेड टू हेड रिकॉर्ड

न्यूजीलैंड की सरजमीं पर टीम इंडिया का टेस्ट रिकॉर्ड बिल्कुल भी अच्छा नहीं रहा है। न्यूजीलैंड में भारत ने अब तक कुल 25 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से टीम को सिर्फ पांच मैचों में जीत मिली है। वहीं, 10 मुकाबलों में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। 10 मैचों का अंत ड्रॉ के रूप में हुआ है।

इन चेहरों पर होगी नजर

तेज गेंदबाजों के अनुकूल न्यूजीलैंड की कंडीशंस में भारतीय बल्लेबाजों के लिए टेस्ट सीरीज में रन बनाना बड़ी चुनौती होगी। टीम की बल्लेबाजी का दारोमदार शानदार फॉर्म में चल रहे कप्तान शुभमन गिल के कंधों पर होगा, जिसका साथ देने की जिम्मेदारी यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन और ध्रुव जुरेल जैसे बल्लेबाजों पर होगी। भारत के मौजूदा टेस्ट स्क्वॉड में काफी कम खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में खेलने का अनुभव है। हालांकि, भारत-ए की ओर से खेलते हुए जुरेल और पडिक्कल ने अच्छा प्रदर्शन किया था।

तेज गेंदबाजी की अगुआई जसप्रीत बुमराह करते हुए नजर आएंगे। बुमराह का साथ आकाशदीप, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा देते हुए नजर आएंगे। गुरनूर बराड़ को भी टेस्ट सीरीज के आगाज से ठीक पहले टीम में शामिल किया गया है। नीतीश कुमार रेड्डी के ऊपर बल्ले और गेंद दोनों से अहम रोल अदा करने की जिम्मेदारी होगी। टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला वेलिंगटन में 19 नवंबर से खेला जाना है। इसके बाद दूसरे टेस्ट मैच का आगाज 27 नवंबर से क्राइस्टचर्च में होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, अंशुल कंबोज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, साई सुदर्शन, नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, गुरनूर बराड़।

भारतीय टीम को साल 2020 में न्यूजीलैंड के अपने आखिरी दौरे पर भी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, 2024 में न्यूजीलैंड के हाथों भारत को अपने ही घर में 0-3 से टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी थी।

प्रियंका चोपड़ाः ग्लोबल स्टार के नाम नया रिकॉर्ड, आलिया और श्रद्धा को छोड़ा पीछे



2027 आने में बस कुछ ही हफ्ते बचे हैं। साल खत्म होने वाला है। ऐसे में 2026 में मशहूर हस्तियों की उपलब्धियों और उनकी तरक्की पर नजर डालने का समय आ गया है। मशहूर हस्तियों के लिए अपने फैंस से जुड़ने का सोशल मीडिया एक अहम जरिया रहा है। इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की संख्या उनकी लोकप्रियता को मापने का एक पैमाना है। एक सर्वे में उन 10 एशियाई हस्तियों के बारे में पता चला, जिनके इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इनमें भारत से प्रियंका चोपड़ा सबसे आगे हैं।

प्रियंका ने श्रद्धा-आलिया को पीछे छोड़ा

2026 में दक्षिण, पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया की उन 10 हस्तियों की सूची में प्रियंका चोपड़ा सबसे ऊपर हैं, जिनके इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलोअर्स हैं। उनके 92.76 मिलियन फॉलोअर्स हैं। वह एसएस राजामौली की पौराणिक एडवेंचर फिल्म 'वाराणसी' में महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ नजर आने वाली हैं। इसके अलावा प्रियंका मशहूर मराठी फिल्म 'वेंटिलेटर' के सीक्वल को प्रोड्यूस भी कर रही हैं।

किस नंबर पर हैं कटरीना कैफ?

92.70 मिलियन फॉलोअर्स के साथ श्रद्धा कपूर इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं। यह अभिनेत्री अपनी अगली फिल्म 'ईठा' की रिलीज की तैयारी कर रही हैं। आलिया भट्ट जो इस सूची में सातवें स्थान पर हैं, उनके 85.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उनकी अगली फिल्म 'लव एंड वॉर' है, जो जनवरी 2027 में रिलीज होगी। कटरीना कैफ 78.6 मिलियन फॉलोअर्स के साथ 10वें स्थान पर हैं। फिलहाल वह अपने ब्यूटी ब्रांड पर ध्यान दे रही हैं।

पहले नंबर पर कौन है?

भारत के क्रिकेटर और बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के पति विराट कोहली एशिया में सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले व्यक्ति के रूप में सूची में शीर्ष पर हैं। उनके बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्थान है। 'ब्लैकपिंक' की मशहूर सदस्य ललिसा मनोबल, जिन्हें 'लिसा' के नाम से जाना जाता है, 105 मिलियन फॉलोअर्स के साथ तीसरे स्थान पर हैं। यह जानकारी इंस्टाग्राम से ली गई है और इसे 15 नवंबर से पहले मौजूद डेटा के आधार पर तैयार किया गया है।

फायरिंग की घटना के बाद टाइगर की पहली पोस्टः सॉलिड बॉडी फ्लॉन्ट कर नए गाने पर दिया अपडेट



गोलीबारी की घटना के बाद टाइगर श्रॉफ ने सोशल मीडिया पर पहला पोस्ट शेयर किया है। पोस्ट ऐसा है कि उनके फैंस खुश हो जाएंगे। टाइगर जल्द ही गाने में नजर आएंगे। इसमें वे अभिनेत्री केतिका शर्मा के साथ रोमांस करते दिखेंगे। गाने में एक्टर सिक्स पैक ऐब्स फ्लॉन्ट करते दिखे हैं।

क्या है गाने का टाइटल?

टाइगर श्रॉफ के इस गाने का टाइटल है 'तेनु लेके जाना'। यह गाना दरअसल, साल 2009 में आई फिल्म 'जय वीरू' का ही रिक्रिएट वर्जन है। टाइगर श्रॉफ और केतिका पर इसे फिल्माया गया है। फिलहाल सामने आई झलक से पता चल रहा है कि यह एक हाई-एनर्जी डांस नंबर है।

कब रिलीज होगा गाना?

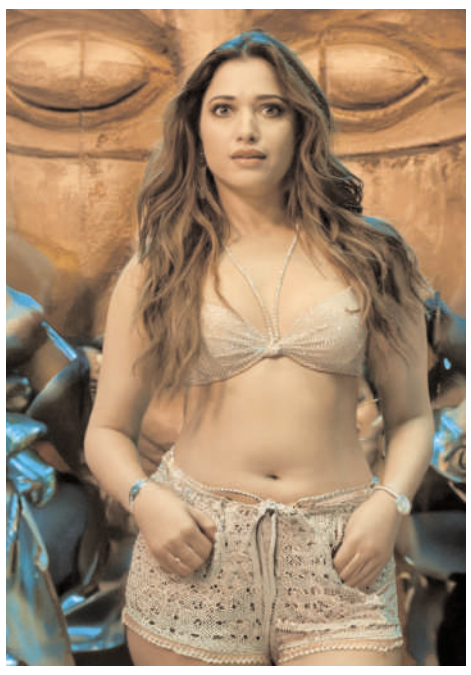
टाइगर श्रॉफ का यह गाना 18 नवंबर 2026 को टी-सीरीज पर रिलीज होने जा रहा है। आज 16 नवंबर को टाइगर श्रॉफ ने इसकी जानकारी शेयर करते हुए वीडियो पोस्ट किया है। इसमें वे अपनी सॉलिड बॉडी फ्लॉन्ट करते दिख रहे हैं।

ब्लैक कलर के आउटफिट में टाइगर अपने सिक्स पैक ऐब्स फ्लॉन्ट कर रहे हैं। बता दें कि गोलीबारी की घटना के बाद एक्टर ने पहली बार सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है। 18 अक्तूबर 2026 की शाम उन पर मुंबई के जुहू में गोलीबारी हुई थी, जिसमें वे बाल-बाल बचे। ठीक एक महीने बाद 18 नवंबर को एक्टर अपना नया गाना लेकर आ रहे हैं।

फैंस हुए उत्साहित, कहा- हमारा हीरो लौट आया

टाइगर के इस पोस्ट पर उनके फैंस ने कमेंट्स की झड़ी लगा दी है। एक यूजर ने लिखा है, 'हमारा हीरो लौट आया'। एक यूजर ने लिखा है, 'हम इस गाने के लिए बेहद उत्साहित हैं'। एक यूजर ने लिखा है, 'तबाही मचाने आ गया हीरो'। एक यूजर ने लिखा है, 'तैयार हो जाओ। टाइगर वापस आ गया'। बात करें टाइगर की फिल्म 'लग जा गले' की तो यह 14 मई 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जुहू चौपाटी पर छठ पर्व में शामिल हुईं तमन्ना भाटिया, श्रद्धालुओं के साथ मिलकर की पूजा



चार दिवसीय छठ पर्व आज सोमवार को संपन्न हो गया है। मूल रूप से इसे बिहार, झारखंड और पूर्वांचल में मनाया जाता है। दिल्ली, मुंबई से लेकर देश के अलग-अलग हिस्सों में भी लोक-आस्था का यह त्योहार सेलिब्रेट किया जाता है। कल रविवार को मुंबई के जुहू चौपाटी में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया भी छठ पूजा में शामिल हुईं।

मुंबई में छठ पूजा में शामिल हुईं तमन्ना

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया मुंबई में आयोजित छठ पूजा उत्सव में शिरकत करने पहुंचीं। उन्होंने छठी मइया से अपने जुड़ाव का जिक्र किया और साथ ही फिल्म 'द वन' में इस त्योहार को करीब से समझने के बारे में बताया। बता दें कि फिल्म 'द वन' में छठ पूजा को दिखाया गया है। एक गाने में तमन्ना भाटिया यह महापर्व मनाती नजर आई हैं।

श्रद्धालुओं को दी शुभकामना

तमन्ना भाटिया ने मुंबई में छठ पूजा में शामिल होकर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो भी शेयर किया है और लिखा है, 'देवी का आशीर्वाद और आप सबका प्यार, छठी मइया की कृपा बनी रहे। जय छठी मइया'। तमन्ना ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि छठी मइया के साथ उन्हें जो जुड़ाव महसूस हुआ है, उसे वे शब्दों में बयान नहीं कर सकती हैं।

बिहार जाकर देखना चाहती थीं छठ पूजा

इसके अलावा तमन्ना ने बताया कि वे बिहार जाकर इस त्योहार को देखना चाहती थीं। तमन्ना ने कहा, 'मैं अपने शहर मुंबई में इतने सारे लोगों के साथ छठ पूजा मनाकर बहुत खुश हूं। मुझे बहुत प्यार मिला है। इस महापर्व का महत्व हमेशा मेरे साथ रहेगा'। आगे कहा, 'जब मैं प्रमोशन के दौरान पटना गई और गंगा आरती में शामिल हुई, तो मैं कम से कम एक बार वहां छठ पूजा देखने के लिए वापस जाना चाहती थी। मुझे लगा कि मैं नहीं जा पाऊंगी, लेकिन फिर मुझे यहां (मुंबई में) बुलाया गया। मैं बेहद खुश हूं'।

वन के दौरान करीब से समझा यह त्योहार

तमन्ना ने बताया कि 'वन' फिल्म के गाने की शूटिंग शुरू करने से पहले उन्होंने इस रस्म का महत्व और बिहार और पटना में इसे कैसे किया जाता है, यह समझने और पढ़ने में समय बिताया। एक्ट्रेस ने कहा, 'सच कहूं तो, इसकी शक्ति के बारे में जानकर मैं हैरान रह गई। छठी मइया के साथ मेरा जो गहरा जुड़ाव महसूस हुआ, उसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती। मैंने खुद को उनसे बहुत जुड़ा हुआ महसूस किया'।

कमल-सारिका के अलग होने के बाद भी श्रुति के मन में बसी है उनकी लव स्टोरी

साउथ और बॉलीवुड अभिनेत्री श्रुति हासन अपनी फिल्मों के साथ-साथ बेबाक अंदाज और निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। अभिनेत्री शादी और रिश्तों को लेकर कई बार अपनी राय रख चुकी हैं। अब एक बार फिर श्रुति ने अपनी पर्सनल लाइफ और माता-पिता कमल हासन व सारिका के रिश्ते पर खुलकर बात की है।

उन्होंने बताया कि भले ही उनके माता-पिता आज साथ नहीं हैं, लेकिन जब वे एक-दूसरे के साथ थे, तब उनके बीच बेहद गहरा प्यार था। दोनों न सिर्फ एक-दूसरे के साथ वक्त बिताना पसंद करते थे, बल्कि साथ मिलकर काम करना और नई चीजें बनाना भी उन्हें अच्छा लगता था। श्रुति ने बताया कि बचपन में माता-पिता के रिश्ते को देखकर ही उनके मन में अपने होने वाले पार्टनर को लेकर एक खास सोच बनी थी।

क्या बोलीं श्रुति हासन?

एक पॉडकास्ट पर बात करते हुए, श्रुति हासन से पूछा गया कि उनके माता-पिता के रिश्ते ने साथी को लेकर उनकी उम्मीदों को किस तरह प्रभावित किया। इस पर अभिनेत्री ने कहा, 'हर कोई जानता है कि मेरे माता-पिता अब साथ नहीं हैं। लेकिन जब वे साथ थे, तब उनके बीच बहुत प्यार था। बहुत गहरा प्यार था और वे एक-दूसरे के साथ खूब मस्ती करते थे। उन्हें साथ में काम करना और चीजें बनाना पसंद था। वे एक-दूसरे के क्रिएटिव पार्टनर भी थे।'

श्रुति ने आगे बताया कि बचपन में ही उन्होंने सोच लिया था कि जब वह बड़ी होंगी और उनकी जिंदगी में कोई बॉयफ्रेंड या पति आएगा, तो दोनों को साथ मिलकर कुछ करना चाहिए। उनके मुताबिक, रिश्ते में सिर्फ एक-दूसरे के साथ रहना ही नहीं, बल्कि मिलकर कुछ बनाना और एक-दूसरे का साथ देना भी जरूरी है।

कब अलग हुए थे कमल हासन और सारिका

बता दें कि कमल हासन और सारिका ने साल 1988 में शादी की थी। दोनों की दो बेटियां श्रुति हासन और अक्षरा हासन हैं। हालांकि, शादी के करीब 14 साल बाद साल 2002 में दोनों अलग हो गए थे। इसके बाद साल 2004 में उनका तलाक हो गया। भले ही दोनों का रिश्ता आगे नहीं चल पाया, लेकिन श्रुति के मन में उनके साथ बिताए गए वक्त और उनके आपसी जुड़ाव की यादें आज भी खास जगह रखती हैं।

माता-पिता ने नहीं बिगड़ने दी परवरिश

बातचीत में श्रुति ने अपनी परवरिश को लेकर भी दिलचस्प खुलासा किया। उन्होंने बताया कि फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद उनके माता-पिता ने उन्हें कभी जरूरत से ज्यादा बिगाड़ने की कोशिश नहीं की। उनके पिता कमल हासन खासतौर पर स्कूल के दिनों में उनकी हर मांग पूरी नहीं करते थे।

उस वक्त भले ही उन्हें यह बात समझ नहीं आती थी, लेकिन बड़ी होने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि माता-पिता का यह तरीका उनकी परवरिश के लिए कितना जरूरी था। उन्होंने उन्हें जिंदगी की अहमियत और चीजों को पाने के लिए मेहनत करने की सीख दी।

शादी को क्यों जरूरी नहीं मानती श्रुति हासन?

श्रुति हासन पहले भी शादी को लेकर अपने विचार साफ कर चुकी हैं। वह कई बार कह चुकी हैं कि उन्हें किसी के साथ रहना और एक-दूसरे का साथ पसंद है, लेकिन इसके लिए शादी करना जरूरी नहीं मानतीं। आर्टिस्ट शांतनु हजारिका के साथ रिलेशनशिप में रहते हुए भी उनका यही नजरिया रहा। दोनों करीब चार साल तक साथ रहे और साल 2024 में आपसी सहमति से अलग हो गए। इसके बाद श्रुति ने खुद के सिंगल होने की पुष्टि की थी और बताया था कि फिलहाल उनका ध्यान अपने काम और खुद के विकास पर है।

